वर्ष-15, अंक-355
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अनमोल है कुछ चीज तो वो आपका समय है व्यर्थ में ना गवाये उसे।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

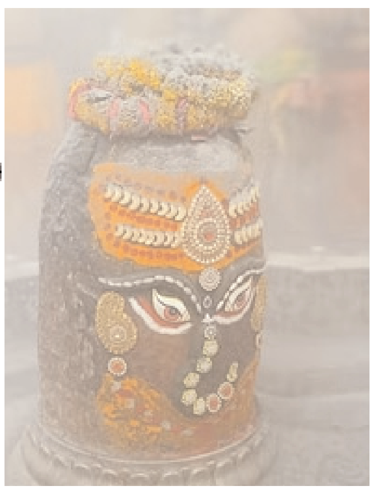

इंदौर, बुधवार 02 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

देश में 13,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण, यह एरिया दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुछ भौगोलिक क्षेत्र से भी बड़ा

देश के 25 राज्यों में मध्यप्रदेश में जंगल पर सबसे ज्यादा अवैध कब्जा

नई दिल्ली। सबसे ज्यादा टाइगर रिजर्व वाले मध्यप्रदेश में हर साल जंगलों में कब्जा बढ़ रहा है। यानी जंगल कम हो रहे हैं और वन अमले की सुस्ती टूट ही नहीं रही है। मप्र में जंगलों का ज्यादातर हिस्सा या तो खेतों में बदल चुका है या मिट्टी की खुदाई के चलते यहां गहरी खदानें नजर आने लगी हैं। जंगल की कटाई की सबसे तेज रफ्तार वाले प्रदेशों में मध्यप्रदेश दूसरे राज्यों से कहीं आगे है। देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है। यह एरिया दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुछ भौगोलिक क्षेत्र से भी बड़ा है। इस बात का खुलासा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट से हुआ है, जो राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश और असम अतिक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कुछ समय पहले समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक रिपोर्ट दी थी, जिसमें सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया था कि भारत में 7,50,648 हेक्टेयर (7,506.48 वर्ग किलोमीटर) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है। यह क्षेत्र दिल्ली के आकार से पांच गुना बड़ा है। इस रिपोर्ट पर एनजीटी ने स्वतः संज्ञान लिया। और मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वन क्षेत्रों के अतिक्रमण का विवरण एक निर्धारित प्रारूप में संकलित करे।

मंत्रालय ने पिछले एनजीटी को सौंपी रिपोर्ट केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने हाल ही में एनजीटी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि मार्च 2024 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (13,056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन था। इनमें मध्यप्रदेश, अंडमान और निकोबार, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर तथा दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं।

इन राज्यों ने अभी नहीं दिया अतिक्रमण का डेटा रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अभी भी वन अतिक्रमण पर डेटा प्रस्तुत करना बाकी है। इनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

मप्र में 5,460.9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अतिक्रमण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में सबसे अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है। मार्च 2024 तक, राज्य में 5,460.9 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र अतिक्रमण के अधीन है, जबकि असम में 3,620.9 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण किया गया है।

ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड पर ज्यादा असर मप्र में जंगल में बेतहाशा खनन, पेड़ों की सफाई कर खेतों में बदलने और बड़े प्रोजेक्ट्स के कारण ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड अंचल सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वन विभाग कब्जे रोकने का प्रयास तो कर रहा है, लेकिन अफसरों की अरुचि के चलते ये कारगर साबित नहीं हो पा रहा है। प्रदेश में 3 लाख 12 हजार हैक्टेयर में वन क्षेत्र हैं जिसका बड़ा हिस्सा कब्जों की चपेट में है। कहीं सैंकड़ों एकड़ के जंगल साफ कर अब वहां खेती की जा रही है। वहीं कई जगह मिट्टी की खुदाई की वजह से घना जंगल गहरी खदानों में बदला नजर आता है। ग्वालियर, शिवपुरी के साथ ही बुंदेलखंड अंचल के छतरपुर, सागर, दमोह जिलों के अलावा निमाड़ के खंडवा और बुरहानपुर जिले जंगल पर कब्जों के मामले में सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। प्रशासन ने बीते साल एक हजार हैक्टेयर वनभूमि कब्जा मुक्त कराई थी, लेकिन इस साल फिर 700 एकड़ वनभूमि पर कब्जा कर लिया गया।

मप्र हाईकोर्ट का फैसला

अपात्र नर्सिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को पात्र कॉलेजों में 30 दिन में ट्रांसफर करें

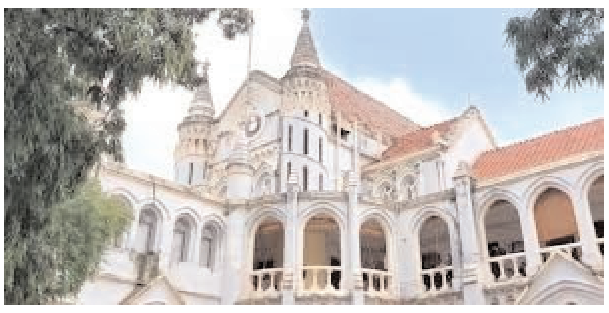

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश के फर्जी नर्सिंग कॉलेज मामले में सुनवाई करते हुए अपात्र कॉलेजों के छात्रों को पात्र कॉलेजों में 30 दिन में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए हैं ताकि उनका भविष्य खराब न हो। जस्टिस संजय द्विवेदी और जस्टिस अचल कुमार पालीवाल ने याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिए। साथ ही कहा कि सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्र नहीं पाए गए, वे परीक्षा में बैठने के लिए अपात्र नही हैं। याचिकाकर्ता का कहना था कि कई कॉलेजों ने सीबीआई जांच के दौरान किसी भी छात्र के प्रवेश से इनकार किया था। हालांकि बाद में बैकडेट में एडमिशन दिखाकर परीक्षा में बैठाने की कोशिश की गई। नर्सिंग फर्जीवाड़े मामले में लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से जनहित याचिका लगाई गई है। याचिका पर सुनवाई हाई कोर्ट की स्पेशल बेंच कर रही है। दरअसल, सरकार की ओर से बहुचर्चित फर्जी नर्सिंग कॉलेज घोटाले के मामले में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता संबंधित 600 ओरिजनल फाइलें हाईकोर्ट में पेश की गई थीं। फाइलों को दो लोडिंग ऑटो में कोर्ट लाया गया था। हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच रिपोर्ट और सरकार की रिपोर्ट को देखकर कई निर्देश जारी किए थे। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता वकील को 15 दिन में फाइलों का अवलोकन कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। रिपोर्ट में यह बताना होगा कि किन परिस्थितियों में और किन अधिकारियों ने अपात्र कॉलेजों को अनुमति दी। जस्टिस संजय द्विवेदी तथा जस्टिस एके पालीवाल की पीठ ने याचिकाकर्ता को निर्देश देते हुए कहा कि 15 दिन में फाइलों का परीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ जिम्मेदार अधिकारियों के नाम पेश करें।

60 दिन में चालान पेश नहीं कर पाई लोकायुक्त पुलिस

परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा को मिली जमानत

भोपाल। करोड़ों रुपए के गोल्ड और कैश के मामले में जेल गए परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा को मंगलवार को जमानत मिल गई। इसके साथ ही चेतन सिंह और शरत जयसवाल को भी अदालत ने बेल दी है। दरअसल, लोकायुक्त ने 60 दिन में चालान पेश नहीं किया इसलिए आरोपियों को यह राहत दी गई है। वहीं कोर्ट ने लोकायुक्त के इस रवैये पर हैरानी भी जताई। लोकायुक्तकोर्ट के विशेष न्यायाधीश राम प्रताप मिश्र ने यह आदेश दिए हैं। बता दें कि 28 मार्च को 60 दिन हो चुके हैं, इसके बावजूद अभी तक चालान पेश नहीं हुआ। हालांकि जमानत मिलने के बाद भी सौरभ, शरद, चेतन फिलहाल जेल से बाहर नहीं आएंगे। तीनों आरोपियों को ईडी के मामले में जेल में रहना पड़ेगा।

लोकयुक्त के मामले में ही तीनों आरोपियों को जमानत मिली है। जबकि ईडी का केस अलग है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में 10 तारीख तक चालान पेश करना है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसमें भी जमानत मिल सकती है और फिर तीनों जेल से बाहर आ सकेंगे। सौरभ शर्मा 28 जनवरी को अदालत में सरेंडर करने पहुंचा था, हालांकि आवेदन के बाद कोर्ट ने जांच एजेंसी से डायरी मंगवाई थी। इसके बाद उसे अगले दिन आने के लिए कहा गया। वकील के अनुसार, सुबह 11 बजे जैसे ही सौरभ कोर्ट जा रहा था, लोकायुक्त ने उसे बाहर से ही गिरफ्तार कर लिया और लोकायुक्त कार्यालय ले गई। जहां उससे पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर उसके साथी चेतन गौर को भी हिरासत में लिया गया।

हीटवेव से झीलों में सतही ऑक्सीजन घटी, जीव-जंतुओं के लिए गंभीर संकट

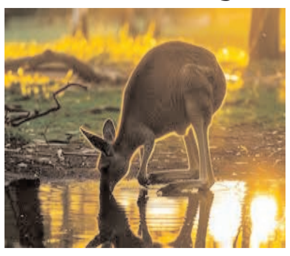

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन और बढ़ती हीटवेव की घटनाएं झीलों की सतह पर घुली ऑक्सीजन (डीओ) के स्तर को तेजी से घटा रही हैं। यह झीलों में रहने वाले जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के लिए बेहद खतरनाक है। चीन के नानजिंग विश्वविद्यालय और ब्रिटेन के बांगोर विवि के वैज्ञानिकों का यह अध्ययन साइंस एडवांस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध का उद्देश्य लगातार बढ़ते तापमान और अत्यधिक गर्मी की लहरों (हीटवेव) से दुनियाभर की झीलों में सतही ऑक्सीजन की मात्रा किस तरह प्रभावित हो रही है। शोधकर्ताओं ने बीते 20 वर्षों में 15,000 से अधिक झीलों के सतही घुलित ऑक्सीजन स्तर का विश्लेषण करने के लिए व्यापक डाटा सेट और मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग किया। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि 83 फीसदी झीलों में ऑक्सीजन की भारी कमी देखी गई, जिसे डीऑक्सीजनेशन कहा जाता है।

मानसून प्रणाली में गंभीर बाधा उत्पन्न कर रहा है ब्लैक कार्बन

नई दिल्ली। ब्लैक कार्बन एक अल्पकालिक लेकिन अत्यंत खतरनाक जलवायु प्रदूषक है, जिसे वैश्विक तापमान वृद्धि के लगभग आधे हिस्से के लिए जिम्मेदार माना जाता है। यह केवल ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का कारण ही नहीं बन रहा बल्कि मानसूनी प्रणाली में भी गंभीर व्यवधान उत्पन्न कर रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमडी) और क्लीन एयर फंड के ताजा अध्ययन में पाया गया कि ब्लैक कार्बन जिसे आमतौर पर कालिख के रूप में जाना जाता है, जलवायु परिवर्तन को तेज करने और मौसम की चरम परिस्थितियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एटमॉस्फेरिक पॉल्यूशन रिसर्च पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अगर ब्लैक कार्बन उत्सर्जन में कटौती की जाए तो जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा किया जा सकता है। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि ब्लैक कार्बन ग्लेशियरों, बर्फ की चादरों और समुद्री बर्फ के पिघलने की गति को तेज करता है, विशेष रूप से आर्कटिक और हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में। दक्षिण एशिया में इसका उत्सर्जन मानसून की बारिश के स्वरूप को गंभीर रूप से बाधित करता है, जिससे बाढ़ और चरम मौसम की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

आईआईटी की तकनीक, अनानास के छिलके-मौसमी के रेशे साफ करेंगे पानी

गुवाहाटी। वैज्ञानिकों ने कारखानों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषित पानी को साफ करने का एक अनूठा तरीका इजाद किया है। इस नई तकनीक में फलों के कचरे का उपयोग किया गया है, जो न केवल सस्ता है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने अनानास के छिलके और मौसमी के रेशों से बायोचार कर पानी में मौजूद नाइट्रोएरोमैटिक यौगिकों को अवशोषित करने में सफलता पाई है। नतीजे जर्नल केमिकल इंजीनियरिंग साइंस में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार नाइट्रोएरोमैटिक यौगिक ऐसे हानिकारक रसायन हैं जो कपड़ा रंगाई, कीटनाशक और सौंदर्य प्रसाधन उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी में मौजूद होते हैं। ये जीव-जंतुओं के साथ इंसानों के लिए खतरनाक हैं। इनके संपर्क में आने से कैंसर, आनुवंशिक विकृतियों जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। वर्तमान में इस तरह के प्रदूषित जल को साफ करने के लिए जो रासायनिक व जैविक प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं, वे महंगी होने के साथ जटिल भी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला- बदली परिवहन नीति

22 साल बाद मप्र में फिर शुरू होगी सरकारी ट्रांसपोर्ट सर्विस

भोपाल। अप्रैल के पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मध्यप्रदेश के शहरों को गति देने के लिए विशेष तौर पर लोक परिवहन नीति में बड़े बदलाव पर मुहर लगी है। इससे सरकार और आम जनता दोनों को फायदा होगा। बता दें कि 22 साल पहले दिग्विजय सरकार में राज्य परिवहन सेवा बंद कर दी थी, जिसका कारण था भारी नुकसान, जिस पर सुधार को लेकर यह बड़ा कदम हो सकता है। बैठक में मप्र की लोक परिवहन सेवा पर चर्चा करते हुए सीएम मोहन यादव ने बताया कि दिग्विजय सरकार में राज्य परिवहन सेवा बंद कर दी गई थी जिसके बाद से हमने एक महत्वकांक्षी परिवहन नीति बनाई है जिसके तहत मप्र सरकार अब बस नहीं खरीदेगी बल्कि होल्डिंग कंपनी बनाकर पीपीपी मॉडल के तहत आईटी का उपयोग कर बसों का संचालन होगा। होल्डिंग कंपनी को सलाह देने के लिए सलाहकार कमेटी बनाई जाएगी। चोरी रोकने के लिए टिकिट लेना अनिवार्य होगा जिसे सॉफ्टवेयर के जरिये जारी किया जाएगा। अब प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा नाम से बसों का संचालन किया जाएगा जिससे ग्रामीण क्षेत्र में यात्रा आसान रहेगी और इसे प्राइवेट ऑपरेटर ऑपरेट करेंगे। इसके साथ ही कार्गो सेवा भी शुरू की जा रही है।

सुगम परिवहन के लिए 101 करोड़ रुपए की मंजूरी मप्र में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत के लिए राज्य सरकार ने 101 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना के तहत ग्रामीण और साधारण मार्गों पर संगठित बस परिवहन सेवा को विकसित करने के लिए निजी बस ऑपरेटर्स की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे बस संचालन, अधोसंरचना निर्माण और विनियमन में पारदर्शिता आएगी।

बस परिवहन के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन मॉडल तैयार किया है। इसमें बस अधोसंरचना का विकास किया जाएगा। इसमें पीपीपी मॉडल के तहत बस स्टैंड, बस डिपो और अन्य सुविधाओं का निर्माण होगा। वहीं, बस संचालन एवं संधारण पर काम होगा। इसमें निजी ऑपरेटर्स को आईटी प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लाइसेंस जारी किए जाएंगे। इसके अलावा सख्त निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। इसमें बस सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सर्विस लेवल एग्रीमेंट और की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स पर आधारित निगरानी होगी।

20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन कंपनियां कार्यरत हैं। इनमें से 16 कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि चार कंपनियां निष्क्रिय हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि इन सभी को मिलाकर सात संभागीय कंपनियों में विलय किया जाएगा। इन कंपनियों का संचालन राज्य स्तरीय एक होल्डिंग कंपनी के माध्यम से किया जाएगा, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करेगी।

निगरानी के लिए आधुनिक आईटी प्लेटफॉर्म यात्रियों की सुविधा और बस संचालन की प्रभावी निगरानी के लिए एक उन्नत आईटी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिसमें यात्री मोबाइल एप के जरिये बसों की ट्रैकिंग, सीट उपलब्धता और यात्रा प्लानिंग कर सकेंगे। बस ऑपरेटर्स के लिए वीडियो ऑडिट सॉफ्टवेयर, एमआईएस डैशबोर्ड और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा रहेगी। सभी संभागीय और राज्य स्तरीय कार्यालयों में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। बस, ऑटो, टैक्सी, ई-स्कूटर और मेट्रो सेवाओं को एकीकृत करने के लिए ट्रैवल एप तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले-कांग्रेस ने शिक्षा का मजाक बना रखा था

सिटी चीफ इंदौर।
महेश्वर से इंदौर लौटने के बाद सोमवार रात मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के शिक्षा नीति पर एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि सोनिया गांधी का ज्ञान सीमित है। इसका परिणाम यह रहा कि कांग्रेस ने शिक्षा का मजाक बनाकर रखा था। इसकी पोल नई शिक्षा नीति ने खोल दी है। कांग्रेस के समय दो शिक्षा नीति आई। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ लार्ड मैकाले के समय से चली आ रही नीति का रैपर बदला। इसमें आक्रांताओं को महान बताया गया था। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ अन्याय होता रहा। कांग्रेस के समय की

नीति ने सिर्फ बेरोजगारों की फौज बढ़ाई। अब नई शिक्षा नीति में हम अपने आराध्यों को भी याद कर सकते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि पांच साल पहले मध्य प्रदेश ने शिक्षा नीति को लागू किया था। तब वे शिक्षा मंत्री थे। शिक्षा नीति को दो लाख लोगों से बात कर बनाया गया है और काफी अध्ययन के बाद उसे तैयार किया गया है। सोनिया ने शिक्षा नीति पर सवाल उठाकर उन विद्वानों का मजाक उड़ाया है। यह कांग्रेस पार्टी के लिए ठीक नहीं है। हम उस लेख की निंदा करते हैं। वक्फ एक्ट को लेकर सीएम यादव ने कहा कि इस कानून को न्याय के दायरे से अलग रखा गया था। नए वक्फ विधेयक में सरकार ने न्यायिक तंत्र को और मजबूत करने का काम किया है। कांग्रेस केवल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए झूठ बोलती है। वह मुस्लिम और देश दोनों का बुरा कर रही है। मुख्यमंत्री महेश्वर से सड़क मार्ग से इंदौर आए थे। विमानतल पर भाजपा नेतागणों से मुलाकात के बाद वे भोपाल के लिए रवाना हुए। वक्फ एक्ट को लेकर सीएम ने कहा कि हमने तो इस एक्ट के जरिए ज्यूडिशरी सिस्टम को मजबूत करने का काम किया है। क्योंकि यही एक कानून था जिसे ज्यूडिशरी से अलग रखा गया था। कांग्रेस ने देश के फेडरल सिस्टम का मजाक बनाया था। कांग्रेस केवल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए झूठ बोलती, वह मुस्लिम और देश दोनों का बुरा कर रही है।

धार्मिक शहरों में पसंद की जा रही शराबबंदी
धार्मिक शहरों में एक अप्रैल से हो रही शराब बंदी को लेकर सीएम ने कहा कि मां देवी अहिल्या की नगरी महेश्वर में हुई कैबिनेट में जो फैसला लिया था, उसे हमने लागू किया है और इसे पूरे समाज ने पसंद किया है। क्योंकि हमारी सोच थी कि पूरे शहर में धार्मिक नगरी में यह बंद होना चाहिए।

सोनिया गांधी ने किया विद्वानों का अपमान
डॉ. यादव ने कहा है कि हमे गर्व है कि हमने मध्यप्रदेश में सबसे पहले शिक्षा नीति को लागू किया, उस समय में शिक्षा मंत्री था। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड रहा है कि सोनिया गांधी जी ने शिक्षा नीति पर सवाल उठाकर विद्वानों का अपमान किया है। उन्हें माफी मांगना चाहिए। उन्होंने किसी नादान से लेख लिखवाया है। प्रदेश के धार्मिक शहरों में कल से शराबबंदी का हमारा निर्णय लागू हो जाएगा। कांग्रेस वक्फ बिल को लेकर सिर्फ तुष्टिकरण के कारण झूठ बोल रही है। कांग्रेस देश का भी बुरा कर रही है और मुस्लिम भाइयों का भी बुरा कर रही है।

इंदौर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर अब कई चरणों में काम करेगा निगम

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में साल में 20 दिन से अधिक समय तक वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक जाने लगा है। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार तक जा रहा है और वायु प्रदूषक तत्व (पीएम) की मात्रा 2.5 तक दर्ज हो रही है। इन सबके बीच पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी इंदौर को वायु प्रदूषण कम करने के लिए कहा है। निदेशों के बाद अब इंदौर नगर निगम इस कार्य के लिए योजना बना रहा है जिसमें कई चरणों में काम किया जाएगा। लगातार सात वर्षों तक स्वच्छता में नंबर वन स्थान आए इंदौर को अब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने यह सलाह दी है कि इंदौर को वायु प्रदूषण में भी देश में अव्वल बनना चाहिए। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इंदौर को विदेशों के स्वच्छ शहरों का अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि वहां सफाई के साथ-साथ ध्वनि और वायु प्रदूषण पर किस तरह काम किया गया।

केंद्र सरकार के अधिकारियों ने ली बैठक
आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि पिछले सप्ताह नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने के लिए भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अपर सचिव नरेश पाल गंगवार और अतिरिक्त निदेशक एन. सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में एक बैठक

आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य इंदौर में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों की प्रगति का आकलन करना और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था। बैठक के बाद हमने तय किया है कि हम कई चरणों में इंदौर की वायु गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे।

ये काम करेगा निगम
-स्कूलों, सार्वजनिक और मालवाहक वाहनों को स्वच्छ ईंधन (सीएनजी/ईवी) अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
-मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। इससे शहर की सड़कें धूल मुक्त होंगी।
-एटीएस (ऑटोमेटेड ट्रैफिक सिस्टम) और आरवीएसएफ (रीजनल व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी) की व्यवस्था और भी अधिक बेहतर बनाएंगे।
-ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को और भी बेहतर बनाएंगे। इसके माध्यम से कचरे के प्रभावी पृथकरण, प्रसंस्करण और निपटान की प्रक्रिया होती है। इससे वायु गुणवत्ता और भी बेहतर होगी।
-खुले में कचरा जलाने की शिकायतों पर सख्ती से कार्रवाई होगी। इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलेंगे।

15 वर्षीय बालिका के पेट से निकाली आठ किलो की गठान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एमटीएच अस्पताल में मात्रा 15 वर्षीय बालिका के पेट से अत्यंत ही जटील ऑपरेशन के द्वारा आठ किलो की गठान निकाली गई। मरीज के पिता प्रकाश परमार ने बताया कि उनकी बेटी रेणुका उम्र 15 वर्ष, निवासी सरदारपुर के पेट मे दर्द की शिकायत काफी समय से थी किन्तु आर्थिक स्थिती अच्छी नहीं होने के कारण वे इसे लेकर वह एमटीएच अस्पताल आए। यहा डॉ प्रो. सुमित्रा यादव की यूनिट ने चेक किया और पाया कि मरीज के पेट में दर्द के साथ सूजन भी है और गठान के वजन की वजह से सांस लेने में समस्या है। साथ ही चलने फिरने में भी परेशानी आ रही है। जिसे डॉ प्रो.सुमित्रा यादव की यूनिट में भर्ती किया गया साथ ही मरीज की सभी उचित जांचें करवाई गई। एमआरआई करवाई गई। इसमे अंडाशय में बड़ी गठान पाई गई।
डॉ सुमित्रा यादव और उनकी टीम ने इस गठान को ऑपरेशन के द्वारा निकालने का फैसला किया किन्तु मरीज की उम्र काफी कम होने व शरीर मे हिमोग्लोबिन कम होने की वजह से यह अत्यंत ही खतरनाक और जटील काम था। लेकिन ऑपरेशन करना भी बहुत जरुरी था क्योंकि बालिका को सांस लेने मे बहुत परेशानी आ रही थी।
इस पर प्रो. डॉ सुमित्रा यादव ने आपरेशन करने का फैसला किया और उनके के मार्गदर्शन में टीम जिसमे डॉ विभा मोजेस, डॉ सुरभि पोरवाल, डॉ सपना चौरसिया ,डॉ झलक, डॉ नीलम ,डॉ शिल्पी ,डॉ निशा,डॉ यशस्वी और निश्चेतना विभाग टीम जिसमें डॉ शालिनी जैन, डॉ पारुल जैन, डॉ आर एस गिल, डॉ सुदीप एवं डॉ कीर्ति ने बड़ी ही कुशलता के साथ 8 किलो की इस जटिल गठान को बडी ही सफलतापूर्वक निकाल कर बालिका की जान बचाई । इसमें रेडियोलॉजी विभाग से डॉ विवेक का भी योगदान रहा। इस आपरेशन से मरीज और उनके परिजन अत्यंत ही प्रसन्न और संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सुमित्रा यादव उनके लिए भगवान समान है और यह ऑपरेशन उनके और उनकी बेटी के लिए एक नई आशा की किरण है। सरदारपुर में सब ने हाथ खड़े कर दिए थे। साथ ही आर्थिक स्थिति खराब होने की वजय से वे कही और नहीं जा सकते थे। वे एमटीएच अस्पताल के सभी डॉक्टरों के प्रति आभारी हैं।

सड़क चौड़ी करने के लिए 35 से ज्यादा निर्माणों पर चले बुलडोजर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों के लिए केंद्र की योजना से 200 करोड़ रुपये की राशि मिली है। इसके चलते अब शहर में सड़कों का काम शुरू हो गया है। फिलहाल पूर्व में अधूरी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बाधक निर्माण हटाए जा रहे हैं। मंगलवार को चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद के बीच बड़ी कार्रवाई की गई। सड़क की चौड़ाई में बाधक 35 से ज्यादा निर्माण तोड़े गए थे।भवन मालिकों को नगर निगम ने एक माह पहले नोटिस जारी कर दिया था, लेकिन स्वेच्छा से निर्माण नहीं टूटे तो नगर निगम ने उन्हें तोड़ा। सुबह पांच पोकलेन और चार जेसीबी के साथ 100 से ज्यादा श्रमिक मौके पर पहुंचे। अफसरों ने मकानों में रखे सामान को हटाने के लिए कहा। इस काम में नगर निगम के अमले ने भी मदद की। रहवासी विरोध न करें, इसके लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था। दो घंटे में निमार्णों को जमींदोज कर दिया गया।चंद्रभागा से मस्जिद तक 18 मीटर चौड़ी सड़क बनना है। यह मध्य क्षेत्र की सड़क है। यहां ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक रहता है। नगर निगम गंगवाल बस स्टैंड से सरवटे बस स्टैंड तक भी सड़क चौड़ी कर रहा है। यह सड़क उस मार्ग की फीडर रोड है। 18 मीटर चौड़ाई की सड़क बनने के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं रहेगी। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि अब जल्दी ही सड़क निर्माण शुरू हो जाएगा। कुछ बाधाएं और शेष हैं। उन्हें भी हटाया जाएगा।

5 पोकलेन, 4 जेसीबी के साथ 35 मकानों पर हुई कार्रवाई
मंगलवार सुबह नगर निगम की टीम 5 पोकलेन मशीन, 4 जेसीबी और बड़ी संख्या में निगम कर्मियों व पुलिस बल के साथ कार्रवाई के लिए पहुंची। निगम की टीम ने यहां कार्रवाई शुरू की जो काफी देर तक चली। प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि यहां 35 ऐसे मकान हैं, जिनके दो फीट से लेकर आठ फीट तक के हिस्से तोड़े जा रहे हैं। निशान पहले ही लगा दिए गए थे। डेढ़ महीने पहले नोटिस जारी किए गए थे और तीन दिन पहले मुनादी भी कराई गई थी।

निशान पर आपत्ति के बाद दोबारा हुई मार्किंग
लता अग्रवाल ने बताया कि कुछ लोगों ने पहले तोड़ने का बोलकर तोड़ा नहीं था। वहीं कुछ लोगों को निशान को लेकर आपत्ति थी। इस पर दोबारा उनके सामने ही निशान लगाए गए। इसके बाद वे भी संतुष्ट हो गए थे। कार्रवाई के दौरान यहां पर दो थाने को पुलिस बल लगाया गया था। इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि निगम की टीम उतना ही हिस्सा तोड़े जितना जरूरी है। गलती से ज्यादा हिस्सा ना टूटे, इस बात का भी ध्यान रखा गया है।

मुस्लिम होने की वजह से किया गया मेरा ट्रांसफर...

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने राज्य के नाप-तौल विभाग के एक कर्मचारी के ट्रांसफर के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिका में इस कर्मचारी ने आरोप लगाया था कि उसका ट्रांसफर उसके मुस्लिम होने के कारण राजनीति से प्रेरित होकर दुर्भावनावश किया गया। हालांकि, हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद इस आरोप को निराधार करार दिया। अदालत ने कहा कि ऐसे बेबुनियाद आरोपों को विचार के लिए स्वीकार कर लिया गया, तो इससे सरकारी सिस्टम में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है।रतलाम में नाप-तौल विभाग के प्रभारी सहायक नियंत्रक के रूप में तैनात नसीमुद्दीन का ट्रांसफर 13 मार्च को छिंदवाड़ा में कर दिया गया था। नसीमुद्दीन ने ट्रांसफर के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में नसीमुद्दीन ने इस आदेश को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए कहा था कि उनका ट्रांसफर राजनीति से प्रेरित है। उनका सत्तारूढ़ भाजपा के एक स्थानीय नेता के इशारे पर केवल इसलिए ट्रांसफर कर दिया गया क्योंकि वह मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। नसीमुद्दीन की ओर से हाईकोर्ट में एक कथित सिफारिशी दस्तावेज पेश करते हुए यह दावा भी किया गया था कि इस दस्तावेज के आधार पर उनका और रतलाम में तैनात चार अन्य मुस्लिम कर्मचारियों का भी अन्य स्थानों पर ट्रांसफर कर दिया गया। हाईकोर्ट में बहस के दौरान राज्य सरकार की ओर से नसीमुद्दीन के ये आरोप खारिज किए गए। राज्य सरकार के वकील ने अदालत में कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने धर्म का अनुचित लाभ उठाने के लिए ट्रांसफर ऑर्डर के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण इरादे से याचिका दायर की है और ट्रांसफर के सामान्य आदेश को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है। राज्य सरकार के वकील ने यह दलील भी पेश की कि यदि किसी समुदाय के चार लोगों का ट्रांसफर किया गया है, तो इसे दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया ट्रांसफर नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट के जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की सिंगल जज बेंच ने दोनों पक्षों के तर्कों और तथ्यों पर गौर करने के बाद नसीमुद्दीन की याचिका 28 मार्च को खारिज कर दी। बेंच ने कहा कि रतलाम में नौ साल से ज्यादा वक्त से तैनात याचिकाकर्ता अपने ट्रांसफर को लेकर प्रतिवादियों के कथित दुर्भावनापूर्ण इरादे को साबित नहीं कर सका है। हाईकोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक भेदभाव के आरोप लगाकर ट्रांसफर रुकवाने का प्रयास बेहद निंदनीय है। बेंच ने कहा कि यदि ऐसे निराधार आरोपों को विचार के लिए स्वीकार कर लिया गया, तो इससे प्रशासनिक आदेशों को अमलीजामा पहनाने में गंभीर बाधा उत्पन्न होगी। हाईकोर्ट ने कहा, ...और यदि ऐसे आरोप (विचार के लिए) स्वीकार कर लिए गए, तो कल को मुस्लिम समुदाय का कोई वरिष्ठ अधिकारी गैर-मुस्लिम समुदाय के अपने अधीनस्थों के ट्रांसफर का आदेश जारी करने पर सांप्रदायिक भेदभाव की आलोचना से प्रभावित हो सकता है, नतीजतन सरकारी तंत्र पूरी तरह विफल हो सकता है, जिससे अव्यवस्था उत्पन्न हो सकती है।

नगर निगम और पंजीयन विभाग ने तोड़ा राजस्व रिकॉर्ड

इंदौर। इंदौर में वित्तिय वर्ष खत्म होने तक सरकारी खजाने में खूब धन बरसा। नगर निगम के काउंटर देर रात तक खुले रहे। नगर निगम ने टैक्स में नया रिकार्ड बनाया है। एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का टैक्स कलेक्शन वित्तिय वर्ष में हुआ है। इससे अब विकास के कामों की राह आसान होगी। उधर इंदौर के पंजीयन विभाग में भी प्रदेश में सबसे ज्यादा कमाई की। सालभर में 2600 करोड़ रुपये का राजस्व जमा हुआ है। अंतिम दिन खजाने में करोड़ रुपये से ज्यादा आए। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन निगम कार्यालयों में देर रात तक केश काउंटर खुले रहे। शाम 7 बजे तक 980 करोड़ रुपये जमा हो चुके थे और रात 12 बजे तक एक हजार करोड़ का लक्ष्य पार कर लिया गया। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि यह निगम प्रशासन की सख्ती और जनता की जागरूकता का संयुक्त परिणाम है। निगम अधिकारियों की सक्रियता के चलते जलकर, संपत्ति कर सहित अन्य करों के रूप में यह ऐतिहासिक संग्रह हुआ। पिछले साल 785 करोड़ रुपये जमा हुए थे। इस साल एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जमा हुआ है।

संपत्ति विवाद में घायल बुजुर्ग की मौत, बेटे ने चाकू से किया था हमला

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर में 15 दिन पहले चाकूबाजी में घायल हुए बुजुर्ग की सोमवार रात मौत हो गई। बुजुर्ग पर संपति विवाद के चलते उसके बेटे ने चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद से एमवाय में उनका उपचार चल रहा था। मामले में बुजुर्ग की बेटी ने अपने भाई के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस पहले ही आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक 15 मार्च को मालवीय मोहल्ले में बुजुर्ग दयाराम पुत्र गणपत मालवीय को बेटे बालाराम मालवीय ने पेट में चाकू मार दिया। दयाराम का एमवाय में उपचार चल रहा था। रात में यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस अब मामले में हत्या की धारा बढ़ाएगी। पुलिस के पास दयाराम की बेटी कुंकु मालवीय पहुंची थी। उसने बताया था कि उसके भाई की काफी पहले मौत हो चुकी है। बुजुर्ग पिता सिल्वर स्प्रिंग में चौकीदारी करते थे। वे बुजुर्ग मां संपत बाई के साथ रहते थे। उन्होंने भाई बालाराम को उनकी संपति का हिस्सा दे दिया। लेकिन उसने अपनी जमीन बेच दी और जहां पिता दयाराम रहते थे। उसमें साथ रहने और हिस्सा मांगने की जिद कर रहा था। होली के अगले दिन 15 मार्च की शाम भाई बालाराम ने विवाद किया और पिता को पेट में चाकू मार दिया।

साफ-सफाई की वजह से हिंसक हो रहे इंदौर के कुत्ते

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में साफ-सफाई का एक दुष्प्रभाव करीब ढाई लाख आवारा कुत्तों के लिए भोजन के संकट के तौर पर सामने आया है। जानकारों के मुताबिक भोजन की यह समस्या इन जानवरों के हिंसक स्वभाव की प्रमुख वजहों में शुमार है। यह बात ऐसे वक्त सामने आई है, जब शहर में आवारा कुत्तों के लोगों को काटने की बढ़ती घटनाओं के बीच स्थानीय प्रशासन इन जानवरों की नसबंदी के अब तक के सबसे बड़े अभियान की तैयारी में जुटा है।
अधिकारियों ने मंगलवार को

बताया कि प्रशासन ने तय किया है कि शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए छह महीने का विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि उनकी तादाद को नियंत्रित किया जा सके। नगर निगम में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि शहर में आमतौर पर हर रोज 30 से 35 आवारा कुत्तों की नसबंदी होती है। हमने इस संख्या को बढ़ाकर 90 पर पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए मानव संसाधन और अन्य सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है। डॉ. उत्तम यादव ने माना कि भूख के कारण शहर के आवारा कुत्ते चिड़चिड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ बरसों पहले शहर में कचरा यहां-वहां पड़ा रहता था और बड़ी कचरा पेटियां भी रखी होती थीं। आवारा कुत्ते इनमें अपना भोजन ढूंढ़ लेते थे, लेकिन अब शहर में कचरा पेटियां नहीं हैं और नगर निगम की गाड़ियों से हर घर और प्रतिष्ठान से कचरा जमा किया जाता है। इससे आवारा कुत्तों को आसानी से भोजन नहीं मिल पा रहा है।

भोजन के लिए दूसरे इलाकों में जाना पड़ता है
डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि आवारा कुत्तों को भोजन की तलाश में अपना इलाका छोड़कर दूसरे इलाकों में जाना पड़ता है जिससे अन्य कुत्तों के साथ उनके हिंसक संघर्ष होते हैं और कई बार इससे तनावग्रस्त होकर भूखे कुत्ते आम लोगों को काट लेते हैं। यादव ने कहा कि कोविड-19 के प्रकोप के चलते हुई तालाबंदी के दौरान स्थानीय प्रशासन ने आवारा कुत्तों के लिए भोजन का इंतजाम किया था, लेकिन अब शहर में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाना आसान नहीं
पशुहितैषी संगठन पीपुल फॉर एनिमल्स की इंदौर इकाई की अध्यक्ष प्रियांशु जैन ने कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर में आवारा कुत्तों के लिए भोजन और पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है जो गर्मियों के मौसम में बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि शहर में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने का काम आसान नहीं है। कई लोग पशुप्रेमियों से इस बात को लेकर झगड़ा करते हैं कि उनके घर के सामने आवारा कुत्तों को खाना क्यों खिलाया जा रहा है?
बता दें कि इंदौर राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार सात बार टॉप रहा है। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहलाने वाला यह शहर वर्ष 2024 के जारी स्वच्छता सर्वेक्षण में सुपर स्वच्छ लीग की दौड़ में है। इस लीग को स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों के बीच अलग से मुकाबले के लिए पहली बार पेश किया गया है। सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर को नवी मुंबई और सूरत के साथ 10 लाख से ज्यादा की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में रखा गया है।

आजीविका मिशन में अवैध नियुक्ति, सुषमा रानी की डिग्री-अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राज्य आजीविका मिशन में भर्ती के लिए बिना अनुमोदित मानव संसाधन मार्गदर्शिका के आधार पर संविदा आधार पर पद भरे गए। इन नियुक्तियों में निर्धारित योग्यता, अनुभव और चयन प्रक्रिया के लिए मापदंड मिशन कार्यालय स्तर पर भी बनाए गए। जबकि मापदंडों को बनाने के बाद शासन से अनुमोदित करना आवश्यक होता है। इसमें कई अयोग्य और अर्हता पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति दी गई। जांच में सामने आया कि तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल ने नियमों को दरकिनार करते हुए एक गैर-अनुमोदित एचआर मेन्यूअल का उपयोग किया।

पूर्व सीईओ बेलवाल ने सुषमा रानी शुक्ला को नियमों का उल्लंघन कर राज्य परियोजना प्रबंधक (सामुदायिक संस्थागत विकास) के पद पर नियुक्त किया, जबकि उनके पास इस पद के लिए आवश्यक 15 वर्षों का प्रबंधकीय अनुभव नहीं था। मात्र चार महीने के भीतर उनका मानदेय अवैध रूप से 70,000 प्रति माह कर दिया गया, जबकि अन्य कर्मचारियों को यह लाभ नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया कि बेलवाल ने मिशन की मानव संसाधन नीति को एचआर मैन्युअल के रूप में प्रस्तुत किया, जबकि मैन्युअल राज्य आजीविका फोरम द्वारा अनुमोदन प्राप्त नहीं था। मार्च 2015 में राज्य आजीविका फोरम की कार्यकारिणी समिति की बैठक में केवल मानव संसाधन नीति को मंजूरी दी गई थी, एचआर मैन्यूअल का कोई उल्लेख नहीं था। इसके बावजूद नस्ती में नोटशीट की पृष्ठ क्रमांक 5 में कुटरचित रूप से एचआर मैन्यूअल जोड़ा गया। गलत नियुक्तियों के साथ ही संविधा कर्मचारियों के मानदेय में अवैध तरीके से 40त्न की वृद्धि की गई।

अनुभव प्रमाण पत्र जाली, डिग्री फर्जी

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि सुषमा रानी शुक्ला ने अपने चयन के लिए जाली प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी), हैदराबाद का एक फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किया था, जिसमें उनकी उत्कृष्टता का वर्णन था। जांच में यह प्रमाण पत्र कूटरचित पाया गया। इसके अलावा, उनकी एमबीए की डिग्री भी फर्जी पाई गई। सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से प्राप्त उनकी डिग्री में कई विसंगतियां मिली। विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर दोनों की मार्कशीट पर एक ही तारीख 25 अक्टूबर 2010 अंकित थी। जबकि यूनिवर्सिटी ने जानकारी दी कि तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा जनवरी/ फरवरी और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा जुलाई 2010 में आयोजित हुई थी।

सुषमा रानी के चयन के लिए हर स्तर पर मनमानी

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया कि शुक्ला के चयन के लिए सायकोमेट्रिक परीक्षा में भी कई अनियमिताएं मिली है। मूल्यांकन पत्र पर मूल्यांकनकर्ता के हस्ताक्षर नहीं थी। अभ्यर्थियों को जो अंक दिए गए, उसमें शुक्ला को मनमाने तरीके से सर्वोच्च अंक दिए गए। इसके अलावा, साक्षात्कार पैनल का गठन भी पक्षपातपूर्ण ढंग से बेलवाल ने सवयं किया, जिसमें बाहरी विशेषज्ञों का चयन मनमाने तरीके से किया गया।

अन्य अवैध नियुक्तियों की भी हो रही जांच

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने ललित मोहन बेलवाल, विकास अवस्थी और सुषमा रानी शुक्ला के विरुद्ध धोखाधड़ी, कूटरचना और भ्रष्टाचार के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 468, 471, 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज की है। ईओडब्ल्यू ने अपनी जांच जारी रखते हुए संकेत दिया है कि आगे और भी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। इस घोटाले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

राजधानी में शराब दुकानों के विरोध में प्रदर्शन, प्रशासन से शिफ्टिंग की मांग

अवधपुरी में विरोध स्वरूप कर रहे 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के अवधपुरी में ऋषिपुरम तिराहे पर शराब दुकान खुलने के विरोध में रहवासी 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ कर रहे हैं। वे कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से भी मिलेंगे। इधर, मालवीय नगर में रहवासियों को राहत मिल सकती है। प्रदर्शन कर रहे रमण तिवारी ने बताया, सोमवार की पूरी रात रामायण का अखंड पाठ चला। मंगलवार को भी 50 से अधिक लोग पाठ में शामिल हुए। ताकि, दुकान खोलने वालों को सद्बुद्धि मिले और वह दुकान को कहीं दूसरी जगह शिफ्ट कर लें। वहीं, कलेक्टर से भी मिलेंगे। रहवासियों का कहना है, जिस जगह दुकान खुल रही है, उससे 50 मीटर के दायरे में ही मंदिर, स्कूल, अस्पताल और बस स्टॉप भी है। बावजूद यहां शराब दुकान खोली जा रही है। इसे लेकर वे प्रदर्शन कर रहे हैं। वे मंत्री कृष्णा गौर से भी मिलने पहुंचे थे।

रहवासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

अवधपुरी की निवासी अनीता सिंह ने बताया कि प्रगति नगर में शराब की दुकान खोले जाने की योजना है, जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर दुकान खोली जा रही है, वहां से महज दस कदम की दूरी पर स्कूल, बस स्टॉप, अस्पताल और मंदिर स्थित हैं। कॉलोनी के मुख्य गेट के सामने शराब दुकान खोलना पूरी तरह अनुचित है, और हम इसे किसी भी कीमत पर नहीं बनने देंगे। रहवासियों ने इस मुद्दे पर कलेक्टर से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराने का निर्णय लिया है। यदि इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो हम सड़क पर उतरकर चक्का जाम करेंगे और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में नई शराब दुकान खुल रही है। इसके पास ही विधायक रेस्ट हाउस, बिड़ला मंदिर भी है। वहीं, घना रहवासी इलाका भी है। इसके चलते लोग विरोध कर रहे हैं। दो दिन पहले कई महिलाएं सड़क पर उतर आई थी। काले झंडे लेकर उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन भी किया था। वहीं, सोमवार को वे महापौर मालती राय से भी मिलने पहुंचीं और दुकान न खोले जाने की मांग की। बताया जाता है कि ये दुकान पुरानी जगह पर ही लगेगी। ऐसे में रहवासियों को राहत मिल सकती है।

बावड़ियाकलां में अस्पताल से सिर्फ 50 मीटर दूर खुल रही

बावड़ियाकलां चौक में शराब दुकान खोलने के विरोध में गुरुवार को ही लोग सड़क पर उतर आए थे। उनका कहना था कि जिस जगह दुकान खोली जा रही है, उससे सिर्फ 50 मीटर दूर ही अस्पताल और रहवासी इलाका है। वहीं, मंदिर होने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। यहां पर दुकान के लिए स्ट्रक्चर तैयार हो रहा था। जैसे ही लोगों को यहां दुकान खुलने की खबर मिली, वे एकजुट होकर विरोध करने लगे। कॉलोनी के महिला-पुरुष मैदान में उतर गए। उनका कहना था कि अस्पताल और धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकान खोलना न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह सामाजिक माहौल को भी बिगाड़ सकता है।

हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची थी महिलाएं

राजधानी के संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट से शराब दुकानें अन्य जगहों पर शिफ्ट करने की भी मांग है। इसे लेकर पिछले दिनों कई महिलाएं हाथों में तख्तियां लेकर अफसरों के पास पहुंची थी। महिलाओं ने जल्द दुकान शिफ्ट नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी थी।

एमपी कांग्रेस शुरू करेगी कार्यकर्ता पंचायत संगठन को मजबूत करने की कवायद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ मिलकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत अब कार्यकर्ता पंचायत का आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। इसमें बूथ स्तर के कार्यकर्ता को अपने मन की बात कहने की छूट दी जाएगी। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। जानकारी के अनुसार इसी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। जीतू पटवारी का मानना है कि इससे गुटबाजी पर भी लगाम लगेगी। दिल्ली की बैठक से लौटने के बाद पटवारी ने कार्यकर्ता पंचायत के नाम से हर जिले में जाने की तैयारी की है, ताकि निचले स्तर के कार्यकताओं और नेताओं से वे उनके मन की बात जान सके। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने के लिए हर जिले के दौरे का प्लान बना रहे हैं। इसके तहत वे कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे और उनकी शिकायतों को लेकर बात करेंगे। दरअसल पटवारी खुद कांग्रेस में गुटबाजी को कैंसर बता चुके हैं, जिसको लेकर उन्हें अपने ही नेताओं की आलोचना का शिकार होना पड़ा है।

प्रदेश के बड़े नेताओं का शुरू होगा दौरा

एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने जब से पद संभाला है, सभी नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आते ही शुरुआती दौर में ही कह दिया है कि किसी प्रकार की गुटबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। जमीन पर काम करने वाले नेताओं को ही तवज्जो दी जाएगी। इसी कड़ी मे एमपी कांग्रेस के बड़े नेताओं के हर जिले में जाने का प्लान तय किया गया है। इसकी तैयारी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में चल रही है कि किन जिलों का दौरा पहले हो। इस अभियान के तहत पटवारी कार्यकर्ताओं से उस जिले या क्षेत्र में कांग्रेस की मौजूदा परिस्थिति की जानकारी भी लेंगे। जिस तरह से कांग्रेस को करारी हार का सामना विधानसभा और लोकसभा में करना पड़ा। उसके कारण क्या रहे, इस पर भी चर्चा की जाएगी।

दिल्ली में जिला कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे पटवारी

जीतू पटवारी 3 अप्रैल को अभा कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री संगठन डॉ. संजय कामले ने बताया कि पटवारी गुरूवार, 3 अप्रैल 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे इंदौर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे, वे दोपहर 12.40 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। पटवारी उसी दिन दिल्ली में अभा कांग्रेस कमेटी में आयोजित जिला कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे। वे रात्रि 7.40 बजे दिल्ली से प्रस्थान कर रात्रि 9.10 इंदौर पहुंचेंगे।

रेपिडो बाइक राइडर से चाकू अड़ाकर 22 हजार का मोबाइल लूटा

घटना के बाद फरियादी इतना डर किया गया कि 6 दिन तक चुप रहा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में कहने को तो कमिश्नरी है, अपराधों को रोकने के लिए जिले को चार पुलिस जोन में बांटा गया है,लेकिन अपराधों को रोकने तो दूर पुलिस उनकी पहचान तक नहीं कर पा रही है और लूट पर लूट हो रही है। मजेदार बात यह है कि इन घटनाओं के बाद आला अधिकारी चुप हैं। ताजा मामला पिपलानी इलाके का है। जहां एक रेपिडो बाइक चालक के साथ शातिर बदमाश ने छुरी अड़ाकर 22 हजार रुपये का मोबाइल लूट लिया। घटना के बाद पीड़ित इतना डर गया कि उसने उसने घटना के छह दिन बाद पुलिस को इसकी शिकायत की, जिस पर पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। घटना 24 मार्च की है।

पिपलानी थाने के एसआई केपी सिंह ने बताया कि सेमरा चांदवड का रहने वाला 24 वर्षीय अंकित सिंह एमसीए की निजी कालेज से एमसीए की पढ़ाई कर रहा है। वह अपने खर्चे निकालने के लिए रेपिडो की बाइक टैक्सी चलाने का काम भी करता है। 24 मार्च को करीब पांच बजे उसे एक संदेश आया। एक व्यक्ति ने उसकी बाइक को छोला मंदिर जाने के लिए बुक किया था, उसने अपना नाम शुभम कहार बताया था। वह उसे लेने के लिए जेके रोड पर मिनाल रेसीडेंसी कॉलोनी के गेट पर पहुंचा, जहां उसे लेकर वह छोला मंदिर गया। जहां उसने रुपये न होने का बहाना बनाकर कहा कि वह रत्नागिरी पिपलानी में रहता है। वह उसे वहां रुपये दे देगा। उसे लेकर वह वापस आ रहा था तो उसने बीचइएल क्वाटर के पास खाली आवास के पास बाइक को रुकवाया। छुरी निकालकर उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल लूट लिया। इसकी कीमत करीब 22 हजार रुपये थी।

बीते दिनों अभी तक हुई इतनी घटनाएं

10 मार्च- पिपलानी में शैलश्री पटनायक के साथ लूट, आरोपितों का सुराग नहीं।

22 मार्च- रानी कमलापति स्टेशन के बाहर लूट,एक आरोपित पकड़ा और बाकी तीन साथी फरार है।लूटी गई सोने की चैन का अभी तक पता नहीं है।

23 मार्च- अशोकागार्डन में बदमाश वीरेंद्र जायसवाल से लूट, आरोपितों का सुराग नहीं।

24 मार्च- शाहपुरा में ज्वेलरी दुकान पर लूट,आरोपित को दुकान मालिक ने पकड़कर पुलिस को सौंपा।

27 मार्च- शाहपुरा में बाइक महिला के गले से सोने की चेन लूटी।

रिश्वत कांड में फरार प्रधान आरक्षक की जमानत मंजूर

आरोपियों को बचाने 25 लाख रुपए की डील करने के आरोप थे, हाईकोर्ट से मिली राहत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ऐशबाग थाने के जिस एएसआई को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया था, उसने साइबर ठगी के 3 आरोपियों को बचाने के लिए 25 लाख की मांग की थी। एएसआई पवन रघुवंशी का कहना था कि इसमें थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल, एएसआई मनोज सिंह, हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल हैं। मंगलवार को केस के फरार आरोपी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को भी हाईकोर्ट जबलपुर से जमानत मिल गई है। इससे पहले टीआई को भी हाईकोर्ट से ही जमानत मिली थी।

रघुवंशी द्वारा पुलिस को दिए बयानों के मुताबिक, मामले में मुख्य आरोपी अफजल खान के साले मुईन खान, उसके भाई वसीम खान और अफजल की पत्नी जाहिदा को आरोपी न बनाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। टीआई जितेंद्र गढ़वाल के कहने पर पवन और साथी एएसआई मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह ने पूरी डील की थी। जिसकी पहली किश्त के तौर पर 4.94 लाख रुपए पवन ने अपने घर पर फरार पार्षद अंशुल उर्फ मोना जैन से लिए थे। इस रकम को एसीपी सुरभी मीणा और उनकी टीम ने पवन के घर से जब्त किया था। पूरी कार्रवाई को पांच मार्च को अंजाम दिया गया था।

स्टॉक मार्केट में निवेश कराने के नाम पर ठगी

दरअसल, भोपाल के प्रभात चौराहे स्थित एक बिल्डिंग में ऑडियोलॉजी एडवांस स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड नाम से कॉल सेंटर चल रहा था। यहां काम कर रहे 26 युवक-युवती शेयर बाजार में निवेश से संबंधित विज्ञापन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डालते थे। कॉल करने वालों को स्टॉक मार्केट में निवेश कराने के नाम पर ठगी करते थे। 23 फरवरी को पुलिस ने यहां दबिश देकर संचालक अफजल खान के बेटे अमान को गिरफ्तार किया, लेकिन बाद में छोड़ दिया। मामला तूल पकड़ने के बाद अफजल और उसकी बेटी पर एफआईआर दर्ज कर सोमवार को अफजल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में आरोपी के खाते से करोड़ों रुपए का लेनदेन मिला है। पुलिस ने आरोपी अफजल को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

युवती ने सल्फास की गोलियां खाई, इलाज के दौरान मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाली युवती की सल्फास की गोलियां खाने से मौत हो गई। घटना सोमवार की है, इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी जान चली गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गलती से युवती ने गोलियां खाई थीं। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। सूखी सेवनिया पुलिस ने बताया कि 18 वर्षीय नेहा कुशवाहा बरखेड़ा अब्दुल्ला गांव में रहती थी। आठवीं कक्षा पास करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। सोमवार को घर में गेहूं के बोरे आए थे। उसके पिता गेहूं में सल्फास की गोलियां रख रहे थे। इस दौरान नेहा भी इसी कमरे में थी। कुछ देर बाद ही पिता कमरे से बाहर चले गए। जब पिता वापस आए नेहा लगातार उल्टियां कर रही थी। परिजन उसे तुरंत ही पटेल नगर इलाके के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। यहां पर इलाज के दौरान सोमवार तड़के सुबह नेहा की मौत हो गई। अस्पताल से सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला। वह मोबाइल का इस्तेमाल भी नहीं करती थी। प्राथमिक तौर पर परिजनों ने बताया कि नेहा ने गलती से सल्फास की गोलियां खा ली हैं।

ग्राहक बनकर पहुंची दो महिलाओं ने ज्वैलरी शॉप में की चोरी

भोपाल। राजधानी के मालवीय नगर में राज श्री ज्वैलर्स शोरूम से ग्राहक बनकर आई दो महिलाओं ने लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। उनके साथ एक मासूम बच्चा भी था। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। अरेरा हिल्स पुलिस ने अज्ञात महिलाओं पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक रोशनपुरा चौराहे के नजदीक राज श्री ज्वैलर्स शो रूम है। 28 मार्च को दुकान में दो महिलाएं आई, उनके साथ एक बच्चा भी था। उन्होंने सोने की चूड़ी दिखाने के लिए बोला। दुकान पर मौजूद सेल्स मेन राजेश अग्रवाल ने उन्हें कई तरह की चूड़ियां दिखाई। करीब आधा घंटा तक उन्होंने सामान देखा। आधे घंटे बाद माल पसंद ना आने का बोलकर दोनों महिलाएं चली गई। उनके जाने के बाद सेल्स मेन वापस जेवरातों को बॉक्स में रखकर शोकेस में जमाने लगा। इसी दौरान उसे अहसास हुआ कि सोने

की एक चूड़ी का सेट नहीं हैं। उसने तुरंत मालिक को यह बताया। सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो वह महिला जेवरात चोरी करते हुए दिखाई दी। पुलिस को घटना के बाद शिकायती आवेदन थाने में दिया गया। 29 मार्च को पुलिस ने केस में एफआईआर नंबर 62/25 दर्ज की। यह प्रकरण राजेश अग्रवाल पिता कुंवर सिंह अग्रवाल (60) की शिकायत पर दर्ज किया। आरोपियों का फिलहाल कोई सुराग नहीं मिला है।

सम्पादकीय

पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर

देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नए पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपए के हिसाब से लगाया जुर्माना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया। इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

देश में लगातार जारी पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ सख्त रवैया अख्तियार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक पेड़ का कटना इंसान की हत्या से भी बदतर है। कोर्ट ने आरोपी व्यक्ति को नए पौधे लगाने की अनुमति तो दी, लेकिन काटे गए 454 पेड़ों के बदले प्रति पेड़ एक लाख रुपए के हिसाब से लगाया जुर्माना कम करने से इनकार कर दिया। ऐसा कोर्ट ने अभियुक्त के गलती स्वीकारने और माफी मांगने के बावजूद किया। इसके जरिये कोर्ट ने साफ संदेश दिया कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों को कोई रियायत नहीं दी जाएगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया कि संबंधित प्राधिकारी की आज्ञा के बिना पेड़ काटने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ताजमहल व अन्य पुरातात्विक इमारतों के संरक्षण के लिए बनाए गए ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में 454 पेड़ कटवा दिए गए थे। दरअसल, कोर्ट ने इस मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सहयोग कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव के इस सुझाव पर सहमति जताई कि कोई कानून और पेड़ों को हल्के में न ले। वहीं जुर्माना लगाने के बाबत भी कोर्ट ने मानक तय किया कि इसमें किसी तरह रियायत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी चिंता जताई कि जो पेड़ काटे गए हैं, उसकी जगह नए पेड़ लगाने के बावजूद इसकी क्षतिपूर्ति में सौ साल लग जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील संरक्षित ताज ट्रेपोजियम क्षेत्र में अदालत ने पेड़ काटने पर वर्ष 2015 से ही प्रतिबंध लगा रखा था। इसके बावजूद अदालत की अनुमति के बिना सैकड़ों पेड़ काट डाले गए। इसके बाद न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति यानी सीईसी की वह रिपोर्ट स्वीकार कर ली कि बीते वर्ष 454 पेड़ काटने वाले व्यक्ति पर प्रति पेड़ के हिसाब से एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाए। कोर्ट ने अभियुक्त की तरफ से पेश वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की वह दलील ठुकरा दी कि अभियुक्त ने गलती मानते हुए माफी मांग ली है, तो उसे जुर्माना कम करके राहत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने पास के किसी स्थान पर पौधरोपण करने की अनुमति जरूर प्रदान कर दी है। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते तापमान में निरंतर वृद्धि जारी है, वृक्षों का होना प्राणवायु का जरिया ही है। जो हमें शहरों के कंक्रीट के जंगल से उत्पन्न खतरों से बचाते हैं। खासकर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों में उनकी दोहरी भूमिका है। ऐसे में नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि कैसे किसी व्यक्ति को संवेदनशील इलाके में पेड़ काटने की अनुमति दी गई। निरंतर बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता शासन-प्रशासन के साथ समाज में भी होनी चाहिए। उत्तराखंड में चिपको आंदोलन और राजस्थान में खेजड़ी वृक्षों को बचाने के लिये लोगों के त्याग व संघर्ष को हमें याद रखना चाहिए। जनता का कड़ा प्रतिरोध भी वृक्षों की रक्षा करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। बता दें कि दो साल पहले भारत सरकार ने पेड़ों की कटाई को लेकर संसद में एक आंकड़ा पेश किया था, जो काफी चौंकाने वाला है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने लोकसभा में बताया था कि सिर्फ वर्ष 2020-21 में ही देश के विभिन्न हिस्सों में 30 लाख 97 हजार 721 पेड़ काटे गए थे। लगभग 31 लाख। मंत्रालय ने वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 के तहत इसकी मंजूरी दी थी। गुजरात के अहमदाबाद पश्चिम से भाजपा सांसद डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी ने इस संबंध में सवाल पूछा था, जिसे लेकर सरकार ने सदन में लिखित जवाब पेश किया था। इसमें बताया गया था कि सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में तकरीबन 16.40 लाख पेड़ों को काटने की इजाजत दी गई। इसके बाद उत्तरप्रदेश का नंबर आता है, जहां 3.11 लाख पेड़ काटने की मंजूरी दी गई थी। इसके अलावा ओडिशा में 2.23 लाख, तेलंगाना में 1.53 लाख, महाराष्ट्र में 1.45 लाख, झारखंड में 1.04 लाख, गुजरात में 86 हजार 887, आंध्रप्रदेश में 69 हजार 969, कर्नाटक में 40 हजार 231, उत्तराखंड में 53 हजार 739, बिहार में 61 हजार 244 पेड़ों को काटने की इजाजत दी गई थी। वहीं हरियाणा में 27 हजार 612, गोवा में 27 हजार 249, हिमाचल प्रदेश में 26 हजार 886, राजस्थान में 8 हजार 619, तमिलनाडु में 7 हजार 691 और त्रिपुरा में 17 हजार 686 पेड़ काटे गए थे। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में चंडीगढ़, दमन और दीव, दिल्ली, लक्षद्वीप, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, पुदुचेरी, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में वन संरक्षण कानून, 1980 के तहत कोई पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी गई थी।

ट्रंप की धमकियों के पीछे डॉलर की ताकत

साल 1971 के अगस्त में फ्रांस का एक बड़ा जहाज न्यूयॉर्क के बंदरगाह पर आया। यह जहाज अमेरिकी डॉलरों से भरा था। फ्रांस का इरादा था कि डॉलर देकर वह अपना गोल्ड वापस ले ले। अमेरिका ने फ्रांस से 191 मिलियन डॉलर्स लिए और करीब 170 टन सोना वापस कर दिया। एक महीने पहले स्विट्ज़रलैंड ने 50 मिलियन डॉलर यूएस से सोने में भुनवाए थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कई देशों ने अपना सोना अमेरिका के पास रखा था। अमेरिका ने ब्रिटन वुड्स (1944) समझौते के तहत वादा किया था कि जब भी चाहिए, 35 डॉलर प्रति औंस के हिसाब से सोना उससे वापस लिया जा सकता है। इस आश्वासन पर दुनिया ने डॉलर में व्यापार करना शुरू किया। धीरे-धीरे अमेरिका के डॉलर दूसरे देशों के पास इकट्ठा होने शुरू हो गए। यूएस ने डॉलर की मांग को देखते हुए और डॉलर छापने शुरू कर दिए।

साल 1971 के अगस्त में फ्रांस का एक बड़ा जहाज न्यूयॉर्क के बंदरगाह पर आया। यह जहाज अमेरिकी डॉलरों से भरा था। फ्रांस का इरादा था कि डॉलर देकर वह अपना गोल्ड वापस ले ले। अमेरिका ने फ्रांस से 191 मिलियन डॉलर्स लिए और करीब 170 टन सोना वापस कर दिया। एक महीने पहले स्विट्ज़रलैंड ने 50 मिलियन डॉलर यूएस से सोने में भुनवाए थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कई देशों ने अपना सोना अमेरिका के पास रखा था। अमेरिका ने ब्रिटन वुड्स (1944) समझौते के तहत वादा किया था कि जब भी चाहिए, 35 डॉलर प्रति औंस के हिसाब से सोना उससे वापस लिया जा सकता है। इस आश्वासन पर दुनिया ने डॉलर में व्यापार करना शुरू किया। धीरे-धीरे अमेरिका के डॉलर दूसरे देशों के पास इकट्ठा होने शुरू हो गए। यूएस ने डॉलर की मांग को देखते हुए और डॉलर छापने शुरू कर दिए। डॉलर की सप्लाई विश्व में 10 प्रतिशत बढ़ गई। 1966 में यूएस के पास दूसरे देशों को डॉलर का भुगतान करने के लिए 3 बिलियन डॉलर की कीमत का ही सोना था। अमेरिका के बाहर के बैंकों के पास इसके विपरीत 14 बिलियन डॉलर इकट्ठा थे। यानी अगर भुनाने की बात आती तो यूएस के पास सोना कम पड़ जाता। लिहाजा अमेरिकी डॉलर से विश्वास उठना शुरू हो गया था। वियतनाम युद्ध ने भी यूए, की अर्थव्यवस्था चरमरा दी थी।

15 अगस्त, 1971 को अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने कहा कि अब हम अपने डॉलर सोने के अनुपात में रखेंगे ही नहीं। लेकिन फिर भी धंधा डॉलर में ही होगा। यूएस ने दुनिया को साथ ही साथ एक लालच दिया। उसने कहा कि हम तुम्हें डॉलर के बदले सोना तो नहीं देंगे, पर जो तुम्हारे पास डॉलर इकट्ठा होंगे, तुम उससे अमेरिकी बॉन्ड खरीदकर उस पर ब्याज कमा सकते हो। तुम्हारा जो भी सामान होगा, हम महंगे दाम पर खरीद लेंगे। यह सौदा सभी को मंजूर था। यूएस ने दुनिया से सामान खरीदना शुरू किया। यूएस के पास डॉलर छापने की मशीन थी। दूसरे देश इस बात से खुश कि जब चाहेंगे, निर्यात से मिले डॉलर से अमेरिकी बॉन्ड भुनाकर फायदे के साथ वसूल कर लेंगे। दूसरे देशों के मैन्युफैक्चरर्स भी प्रसन्न कि जो सामान बनाओ, खरीददार तो पहले से है। फिर यूएस नोट छापता गया, अपना कर्ज बढ़ाता गया। मार्च 2025 तक यूएस पर 36 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था। यह रकम कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इस तथ्य से लग सकता है कि भारत की पूरी अर्थव्यवस्था 4.27 ट्रिलियन डॉलर की है। इस कर्ज के ब्याज में ही पिछले साल यूएस के करीब एक ट्रिलियन डॉलर खर्च हुए थे।

इस व्यूह से निकलने के लिए डोनल्ड ट्रंप ने एक चाल चली है। वे कहते हैं कि अब हम दूसरे देशों के निर्यात पर टैरिफ लगाएंगे। हो सकता है कि तुम बदले में हमारे सामान पर टैरिफ लगा दो। पर यह समझ लो कि तुम्हारा ज्यादातर सामान हम ही उठाते हैं। तभी तो 2008 के वित्तीय संकट के बावजूद दुनिया ने पैसे यूएस में ही लगाए थे। दुनिया डॉलर पर ही टिकी है। इस सोच में दो खतरे हैं। पहला, दूसरे देश कह सकते हैं कि हम चाइनीज करंसी को मापदंड मानकर धंधा करेंगे तो तुम्हारे जमा हुए डॉलर का क्या होगा? तुम्हारे सारे कर्ज भी तो डॉलर में ही हैं। दूसरा खतरा यह कि दूसरे देश सोचेंगे कि अपने डॉलर बेचकर दुनिया से सोना उठाते हैं। पर सोना है कहां? एक तो यूएस ने ज्यादातर सोना बुलियन डीलर्स को लीज किया हुआ है। और वह इसलिए कि सोने की खपत दुनिया में रहे और सोने का दाम डॉलर से कम रहे। यानी डॉलर इकट्ठा करने से जो फायदा होगा, वह सोने से नहीं होगा।

दुनिया को टैरिफ से डराकर ट्रंप अब अपना दूसरा पासा फेंकेंगे, छोटी अवधि के बॉन्ड की अवधि बढाने का। दूसरे, वे डॉलर के बदले क्रिप्टो-करंसी देंगे। अपने सामान के निर्यात में देशों के ज्यादा पैसे खर्च होंगे। उन्हें अपनी करंसी संभालकर रखने के लिए डॉलर खर्च करने पड़ेंगे। नहीं तो उनकी करंसी महंगी होगी और जनता पर मुद्रास्फीति की मार पड़ेगी। फिर उन्हें कर्ज भी डॉलर में ही चुकाना है।

कुल मिलाकर यही है ट्रंप का मास्टर स्ट्रोक। बस एक ही चीज इसे मार सकती है कि सारे देश इकट्ठा होकर बोलें- नहीं चाहिए डॉलर। अगर तुम्हारा डॉलर में दिया कर्ज नहीं चुका पाए, तो नहीं चुका पाए। तुम कहोगे कि हम भी अपना कर्जा नहीं चुकाएंगे। न चुकाओ। जिस तरह से दूसरे विश्व युद्ध के बाद एक नई अर्थव्यवस्था शुरू हुई थी, एक बार फिर शुरू हो जाएगी। मगर सवाल है कि बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा?

हालांकि एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि टैरिफ से अमेरिका को 'महान' बनाने का सपना देख रहे डोनाल्?ड ट्रंप शायद इस हथियार से अमेरिका को ही घायल करने वाले हैं। टैरिफ वार से अमेरिका की अर्थव्?यवस्?था गर्त में जा सकती है। इसका इशारा वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सॉक्?स की अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर जारी एक ताजा रिपोर्ट में मिलता है। रिपोर्ट में अगले एक साल में अमेरिका में मंदी आने की संभावना को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में बढ़ती महंगाई, ऊंचे अमेरिकी टैरिफ और कमजोर आर्थिक बुनियादी ढांचे को इसका मुख्य कारण बताया है।

गोल्डमैन सॉक्?स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वास्तविक आय वृद्धि दर 2025 में मात्र 1.4 प्रतिशत रह सकती है, जो चिंताजनक संकेत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्यू1 (पहली तिमाही) के लिए अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर का नवीनतम अनुमान सिर्फ 0.2 प्रतिशत है, जो अर्थव्यवस्था में पहले से मौजूद दबाव को दर्शाता है। बैंक के अनुसार, कोर पर्सनल कंजंप्शन एक्सपेंडिचर महंगाई दर 2025 के अंत तक 3.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जो अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 प्रतिशत लक्ष्य से काफी ऊपर होगी।

गोल्डमैन सॉक्?स ने 2025 के लिए अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 1.5 प्रतिशत से घटाकर 1.0 प्रतिश कर दिया है। यह व्यापार तनाव और शुरुआती आर्थिक आंकड़ों में आई कमजोरी के कारण किया गया है। इसके अलावा, 2025 के अंत तक अमेरिका में बेरोजगारी दर 4.5 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई गई है, जो सुस्त आर्थिक विकास और व्यापारिक अनिश्चितता को दर्शाता है। गोल्डमैन सॉक्?स ने इस महीने दूसरी बार अपने अमेरिकी टैरिफ अनुमानों को संशोधित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में अमेरिकी टैरिफ दर 15 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जिससे मुद्रास्फीति (महंगाई) में और उछाल आने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि व्हाइट हाउस अपने नीति लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अल्पकालिक आर्थिक नुकसान सहने के लिए तैयार है, जिससे अमेरिका में मंदी की संभावना बढ़ गई है। यह मंदी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए और अधिक परेशानी खड़ी कर सकती है। हालांकि, अमेरिका का आर्थिक दर्द वास्तव में भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है। खासकर तब जब वह ट्रंप के टैरिफ के कारण बहुत अधिक चिंता का सामना कर रहा है। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का कहना है कि अमेरिका में मंदी भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हो सकती है। अमेरिका में संभावित मंदी ट्रंप के टैरिफ और भारत पर इसके संभावित प्रभाव के बीच एक मिलीजुली तस्वीर पेश करती है। एक तरफ, टैरिफ भारतीय निर्यात को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ महंगाई को बढ़ा सकते हैं। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिका में मंदी से कमोडिटी की कीमतें गिर सकती हैं। इससे भारत के आयात बिल में कमी आने की संभावना है। साथ-साथ घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है।अमेरिका में कुछ महीनों पहले तक यह उम्मीद थी कि ट्रंप अर्थव्यवस्था में पैसा लगाएंगे। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। ट्रंपसेशन की बात हो रही है। ट्रंप के टैरिफ ने निवेशकों को डरा दिया है। उन्हें आर्थिक मंदी का डर सताने लगा है। इससे शेयर बाजार में गिरावट है। ट्रंप की नई नीतियों ने व्यवसायों, उपभोक्ताओं और निवेशकों के लिए अनिश्चितता बढ़ा दी है। ड्यूश बैंक के एक हालिया सर्वे में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में खतरे की घंटी बजाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अगले 12 महीनों में मंदी की 43 प्रतिशत संभावना है। कम बेरोजगारी और धीमी ग्रोथ के संकेतों के साथ इस सर्वे के नतीजे उपभोक्ताओं और ट्रेड लीडर्स की ओर से व्यक्त की गई चिंताओं को फिर से उजागर करते हैं। उन्हें मंदी या मंदी के बढ़ते खतरे की चिंता है। जेपी मॉर्गन के ब्रूस कासमैन का सुझाव है कि अगर ट्रंप के नए टैरिफ पूरी तरह से लागू हो जाते हैं तो मंदी का खतरा 50 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का भरोसा लगातार चौथे महीने मार्च में गिरा है। एक सर्वे में दिखाया गया कि परिवार भविष्य को लेकर 12 वर्षों में सबसे ज्यादा निराश हैं। एलेथिया कैपिटल के मुख्य अर्थशास्त्री जिम वॉकर ने एक शोध रिपोर्ट में कहा कि उन्हें आश्चर्य होगा अगर अमेरिकी अर्थव्यवस्था आगामी संभावित मंदी से बच सके। उन्होंने रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका में ही, हमें आश्चर्य होगा अगर मंदी से बचा जा सके, खासकर अगर राजकोषीय व्यय को सीमित करने के प्रयास सफल होते हैं।

स्टैटिन के साथ एजेटीमीब दवा देने से दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा कम!

हृदय रोगों का खतरा दुनियाभर में तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है, 30 से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बढ़ती समस्या की मुख्य वजह मानते हैं। इसके अलावा जिन लोगों का ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है, उनमें हृदय से संबंधित बीमारियों और गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक हो सकता है। हार्ट अटैक जानलेवा स्थिति है जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनती है। क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे हार्ट अटैक से बचा जा सकता है? अगर आपके मन में भी ये सवाल बना हुआ है तो हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में आपको इसका जवाब मिल सकता है। मायोक्लिनिक प्रोसीडिंग्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने दो ऐसी दवाओं के बारे में जानकारी दी है जो हार्ट अटैक होने की आशंका को काफी कम करने में मददगार हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से प्रभावित लोगों को एलडीए (बैड कोलेस्ट्रॉल) और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने के लिए स्टैटिन दवा लेने की सलाह दी जाती रही है।

इस अध्ययन में पाया गया है कि अगर स्टैटिन को एक अन्य प्रकार की कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवा एजेटीमीब के साथ मिलाकर दिया जाए तो यह संयोजन दिल के दौरे, स्ट्रोक और अन्य हृदय संबंधी बीमारियों को अधिक प्रभावी तरीके से रोकने में सहायक हो सकती है। आमतौर पर डॉक्टर हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए रोगियों को स्टैटिन लेने की सलाह देते हैं। उसके बाद शरीर पर दवा का क्या असर हो रहा है इसके आकलन के बाद कम से कम दो महीने बाद एजेटीमीब देते हैं।

भारत सहित दुनियाभर के विभिन्न संस्थानों के शोधकताओं ने 14 अध्ययनों में एक लाख से अधिक ऐसे रोगियों के डेटा का विश्लेषण किया जिन्हें हार्ट अटैक या स्ट्रोक होने का खतरा अधिक था। अध्ययन में पाया गया कि जिन रोगियों की धमनियां अवरुद्ध थीं उन्हें सिर्फ स्टैटिन देने के बजाय साथ में अगर एजेटीमीब भी दिया जाए तो इससे जानलेवा समस्याओं के जोखिमों को काफी कम करने में मदद मिल सकती है।

शोधकताओं का कहना है कि ये उपाय हर साल हृदय रोगों से होने वाली हजारों मौतों को रोकने में मददगार हो सकता है। इन दोनों दवाओं का संयोजन अकेले स्टैटिन की तुलना में हृदय संबंधी समस्याओं से मौत के खतरे को 19-20 प्रतिशत तक कम कर सकती है। इससे स्ट्रोक के जोखिमों को भी 17 प्रतिशत कम करने में मदद मिल सकती हैं।

शोधकताओं ने कहा, ये दवाएं प्रभावी पाई गई हैं हालांकि बिना पूरी जांच या डॉक्टर की सलाह के बिना खुद से इसे नहीं लिया जाना चाहिए। स्टैटिन के साथ आपको एजेटीमीब देना है या नहीं ये डॉक्टर निर्धारित करें। इससे पहले कानपुर हृदय रोग संस्थान के डॉक्टर नीरज कुमार ने दवाओं की एक ऐसी किट के बारे में बताया था जो हार्ट अटैक के समय में संजीवनी साबित हो सकती हैं।

डॉक्टर नीरज कहते हैं, किसी को हार्ट अटैक होने पर तुरंत तीन दवाएं दे दी जाएं तो उसकी जान बचने की संभावना काफी बढ़ सकती है। ये दवाएं उसी तरह से काम करती हैं जैसे हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती होने पर दी जाने वाली दवाएं। हार्ट अटैक के लक्षण दिखने पर तुरंत दो इकोस्प्रिन , एक रोसुवास्टेटिन खा लें। इसके बाद सोब्रिट्रेट की टेबलेट को जीभ पर रखकर उसे चूसें। इससे मरीज की जान बचाई जा सकती है। इन दवाओं की कीमत 6-7 रुपये होती है। यानी सात रुपये में आप अपनी जान बचा सकते हैं।

दुनियाभर में खसरे के संक्रमण के मामलों ने बढ़ाई चिंता

दिसंबर 2019 के आखिरी के महीनों से दुनियाभर में शुरू हुई कोरोना महामारी ने कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कीं। कोविड के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं पर भी गंभीर असर पड़ा, लिहाजा कई बीमारियों से बचाव के लिए किया जाने वाला टीकाकरण भी प्रभावित हुआ। दुनियाभर में अब इन गलतियों के दुष्प्रभाव दिखने शुरू हो गए हैं। पिछले छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि यूएस-यूके सहित कई देशों में मीज्लस (खसरा) के मामलों में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हाल के दिनों में भारत में भी इस रोग के मामले जिस तरह से बढ़ते हुए रिपोर्ट किए गए हैं उसने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है।अमेरिका फिलहाल इससे सबसे प्रभावित माना जा रहा है। 27 मार्च तक संयुक्त राज्य अमेरिका में खसरे के कुल 483 पुष्ट मामले रिपोर्ट किए गए, यहां आधिकारिक तौर पर दो लोगों की मौत भी हुई हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने देशभर में इस बढ़ते खतरे को लेकर सावधानी बरतने और बचाव करते रहने की सलाह दी है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यात्राओं को लेकर सभी लोगों को अलर्ट किया है।स्वास्थ्य एजेंसी ने यात्रियों से आग्रह किया है कि अमेरिका जाने से पहले खसरे का टीकाकरण जरूर करा लें। इसके अलावा अमेरिका में भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों को सलाह दी गई है कि खसरे के प्रकोप को रोकने के लिए वैक्सीन का स्टॉक बनाए रखें। सीडीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल अमेरिका में खसरे के प्रकोप ने 20 से अधिक स्टेट्स को प्रभावित किया है।

खसरा वैसे तो किसी भी आयु के लोगों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में जटिलताएं अधिक देखी जाती हैं। जिन लोगों को टीका नहीं लगा है या जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है, उनमें खसरे के कारण गंभीर समस्याओं का जोखिम हो सकता है। साल 2023 से ही खसरे का प्रकोप दुनियाभर में बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और सी.डी.सी की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन 57 देशों में से एक है, जहां 2023 में खसरे के बड़े पैमाने पर प्रकोप देखे गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर संक्रमण की घटनाओं में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, 2023 में खसरे के 10.3 मिलियन मामले दर्ज किए गए। भारत, दशकों से इस गंभीर बीमार से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक रहा है, हालांकि टीकाकरण को बढ़ावा देकर इस रोग के जोखिमों को पिछले वर्षों में काफी कम कर दिया गया था। आंकड़ों के मुताबिक साल 2017 से 2021 के बीच भारत में खसरे के मामलों में 62त्न की गिरावट आई, इस दौरान प्रति दस लाख जनसंख्या पर 10.4 से घटकर 4 मामले रह गए थे। हालांकि महामारी के दौरान राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान पर भी असर देखा गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे खसरे के टीके से चूक गए। लिहाजा देश के कई हिस्सों से पिछले दिनों बच्चों में खसरा के मामले बढते हुए रिपोर्ट किए जा रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ और यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत में अनुमानित 11 लाख बच्चे खसरे के टीके की अपनी महत्वपूर्ण पहली खुराक लेने से चूक गए। यह भारत को उन 10 देशों में शामिल करता है जहां ऐसे बच्चों की संख्या सबसे अधिक है जिन्हें पहला टीका नहीं मिला। खसरा, बच्चों में होने वाला संक्रामक रोग है, गंभीर स्थितियों में इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहना जरूरी है।डब्ल्यूएचओ ने एक पोस्ट में खसरे के बढ़ते मामलों को लेकर सभी लोगों को अलर्ट किया है। खसरा जानलेवा हो सकता है। ऐसे में इसके लक्षणों को समय रहते पहचानना और डॉक्टरी सलाह लेना जरूरी है। चेहरे पर होने वाले दाने जो पूरे शरीर में फैल जाते हैं ये खसरा का लक्षण हो सकता है। इसके साथ बुखार, नाक बहने, खांसी, आंखों में लालिमा या पानी आने और गालों के अंदर छोटे सफेद धब्बे दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

रघुवीर मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा के साथ अन्न सेवा भी जारी

देश के कोने कोने से कथा सुनने पहुंचे कथा प्रेमी

उमेश कुशवाह । सिटी चीफ चित्रकूट, परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज के पावन कर कमलों से चित्रकूट के जानकीकुंड में स्थापित सेवा संस्थान श्री रघुवीर मंदिर ट्रस्ट बड़ी गुफा में वार्षिक चैत्र रामनवमी उत्सव का प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से दशमी पर्यन्त दिनांक 30 मार्च से 7 अप्रैल के लिए हो गया इस दौरान भारत के विभिन्न प्रान्तों से गुरुदेव रणछोड़दास जी महाराज के शिष्य परिवार के श्रद्धालु जन हजारों की संख्या में सम्मिलित होने चित्रकूट पहुंचे हैं। नवदिवसीय इस आयोजन में प्रात: काल श्री रामचरितमानस का नवदिवसीय संगीतमय पाठ आचार्य सुरेंद्र तिवारी करा रहे हैं एवं दोपहर में श्री राम कथा का रसपान परम पूज्य युग तुलसी श्री रामकिंकर जी महाराज के परम कृपा पात्र शिष्य पूज्य श्री उमाशंकर जी व्यास जी ने अपने मुखारविन्द से शिव-सती के प्रसंग की कथा का सभी को कथा रसिकों को रसपान कराया। ट्रस्टी डॉ बीके जैन ने बताया कि इस उत्सव में पाठ एवं कथा के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन एवं संत तथा समष्टि भण्डारे का आयोजन भी किया जाता है जिसमें प्रतिदिन हजारों लोग अन्नासेवा प्राप्त कर रहे हैं। उत्सव के लिए श्री रघुबीर मन्दिर को विशेष रूप से सजाया गया है एवं भगवान युगल सरकार को विशेष पोषक एवं आभूषण तथा पुष्पों द्वारा श्रृंगार होता है। प्रतिदिन प्रात: रुद्राभिषेक एवं सायँ मन्दाकिनी एवं गौ आरती का लाभ भी गुरुभक्त ले रहे हैं। रामनवमी के दिन भगवान का भव्य जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा जिसकी समस्त तैयारियाँ कर ली गयी हैं। आयोजन में पूज्य गुरुदेव की शिष्या सुश्री दमयंती बेन सेजपाल, सुश्री रमा बेन हरियाणी के साथ ट्रस्टी डॉ बी के जैन, श्रीमती रूपल मफतलाल, डॉ इलेश जैन, श्रीमती मिलोनी बेन, श्रीमती उषा जैन, श्रीमती भारती बेन जोबनपुत्रा सह सदगुरु परिवार के सदस्य, कार्यकर्ता, विद्यार्थी, गुरुभक्त, संत-महंत भारी संख्या में उपस्थित रहे। डॉ जैन ने सभी कथा रसिको से रामकथा श्रवण करने हेतु पधारने का आग्रह किया है।

रघुवीर मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा के साथ अन्न सेवा भी जारी

देश के कोने कोने से कथा सुनने पहुंचे कथा प्रेमी

उमेश कुशवाह । सिटी चीफ चित्रकूट, परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज के पावन कर कमलों से चित्रकूट के जानकीकुंड में स्थापित सेवा संस्थान श्री रघुवीर मंदिर ट्रस्ट बड़ी गुफा में वार्षिक चैत्र रामनवमी उत्सव का प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से दशमी पर्यन्त दिनांक 30 मार्च से 7 अप्रैल के लिए हो गया इस दौरान भारत के विभिन्न प्रान्तों से गुरुदेव रणछोड़दास जी महाराज के शिष्य परिवार के श्रद्धालु जन हजारों की संख्या में सम्मिलित होने चित्रकूट पहुंचे हैं। नवदिवसीय इस आयोजन में प्रात: काल श्री रामचरितमानस का नवदिवसीय संगीतमय पाठ आचार्य सुरेंद्र तिवारी करा रहे हैं एवं दोपहर में श्री राम कथा का रसपान परम पूज्य युग तुलसी श्री रामकिंकर जी महाराज के परम कृपा पात्र शिष्य पूज्य श्री उमाशंकर जी व्यास जी ने अपने मुखारविन्द से शिव-सती के प्रसंग की कथा का सभी को कथा रसिकों को रसपान कराया। ट्रस्टी डॉ बीके जैन ने बताया कि इस उत्सव में पाठ एवं कथा के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन एवं संत तथा समष्टि भण्डारे का आयोजन भी किया जाता है जिसमें प्रतिदिन हजारों लोग अन्नासेवा प्राप्त कर रहे हैं। उत्सव के लिए श्री रघुबीर मन्दिर को विशेष रूप से सजाया गया है एवं भगवान युगल सरकार को विशेष पोषक एवं आभूषण तथा पुष्पों द्वारा श्रृंगार होता है। प्रतिदिन प्रात: रुद्राभिषेक एवं सायँ मन्दाकिनी एवं गौ आरती का लाभ भी गुरुभक्त ले रहे हैं। रामनवमी के दिन भगवान का भव्य जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा जिसकी समस्त तैयारियाँ कर ली गयी हैं। आयोजन में पूज्य गुरुदेव की शिष्या सुश्री दमयंती बेन सेजपाल, सुश्री रमा बेन हरियाणी के साथ ट्रस्टी डॉ बी के जैन, श्रीमती रूपल मफतलाल, डॉ इलेश जैन, श्रीमती मिलोनी बेन, श्रीमती उषा जैन, श्रीमती भारती बेन जोबनपुत्रा सह सदगुरु परिवार के सदस्य, कार्यकर्ता, विद्यार्थी, गुरुभक्त, संत-महंत भारी संख्या में उपस्थित रहे। डॉ जैन ने सभी कथा रसिको से रामकथा श्रवण करने हेतु पधारने का आग्रह किया है।

पारिवारिक मतभेद के बाद पुनर्मिलन

कटनी महिला थाने में जोड़े ने फिर से डाली वरमाला

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी महिला थाना में एक जोड़े की शादी कराई गई। ये जोड़े शादी होने के दो साल के बाद मतभेद पारिवारिक विवाद के चलते से तीन सालों से अलग रह रहे थे। महिला को कोर्ट के आदेशों पर 5 हजार रुपए खाना खर्चा भी मिलने लगा था.. लेकिन महिला को अपने पति के साथ रहने की ठान ली और इसके लिए उसने महिला थाने का दरवाज़ा खटखटाया महिला थाना प्रभारी ने पति पत्नी को थाने बुलावा दोनों को समझबुझा एक दूसरे के साथ आगे की जिंदगी जीने के लिए माना लिया और दोनों थाने में ही दोबारा एक दूसरे के गले में वरमाला डाल एक साथ रहने का फैसला किया। फरियादी महिला ऋतु चौधरी ने बताया कि उसकी शादी 2019 में विजयराघवगढ़ के ग्राम बरहटा निवासी विनोद चौधरी से हुआ था जिनकी एक मोबाइल शॉप है और रेलवे में ठेकेदारी में काम भी करते है। शादी के दो साल बाद दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गया और पारिवारिक विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों एक दूसरे के साथ रहने से मना करते हुए कोर्ट की शरण ली जहां कोर्ट से ऋतु चौधरी को उसके पति से 5 हजार रुपए खाना खर्चा देने का आदेश भी हो गया.. और दोनों एक दूसरे से अलग हो गए..दोनों का एक 5 साल का बच्चा भी है.. जो अपनी मां के साथ ही रह रहा था। जिसको देखते हुए दो साल बाद फरियादी ऋतु चौधरी ने अपने पति विनोद के साथ रहने की ठानी और महिला थाना का दरवाजा खटखटाया और उसने एक पत्र देते हुए अपने पति के साथ रहने की गुजारिश की जिसके बाद महिला थाना प्रभारी अंजू शर्मा ने ऋतु के पति विनोद चौधरी और उनके परिवार वालो को महिला थाने बुलवाया और दोनों के 5 साल के बच्चे को दिखाते हुए पूरा जीवन एक साथ रहने के लिए समझाया और दोनों एक दूसरे के साथ हसी खुशी एक साथ रहने के लिए मन गए और थाने में ही एक दूसरे के गले में माला डाल और एक दूसरे को मिठाई खिला एक साथ जीवन भर रहने की कसमें भी खाई और दोनों परिवार के लोगों ने एक दूसरे को बधाई थी। वही थाने में मौजूद महिला थाने के पुलिस स्टाप ने भी दोनों को बधाईयां दी।

सीएम राइस शासकीय विद्यालय लालबर्रा में प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ तिलक वंदन व सम्मान।

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, शासन के निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत दिनांक 1 अप्रैल दिन मंगलवार को सीएम राइस शासकीय विद्यालय लालबर्रा में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर शिक्षा विभाग एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीपीसी बालाघाट श्री घनश्याम बर्मन,ओआईसी श्री खरे,बीईओ लालबर्रा श्री वाय. आर.गजभिये, बीआरसी श्रीराम तुरकर एवं प्रभारी प्राचार्य श्री सनत दुबे उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति व जिला पंचायत सदस्य श्री झामसिंह नागेश्वर,विधायक प्रतिनिधि व पाढ़रवानी सरपंच श्री अनीश खान, विधायक प्रतिनिधि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा श्री शैलेष कैकती,श्री गिरीश पाठक, साखला जी,सुमित स्वामी, एसएमडीसी सदस्य श्री राजू ऐड़े सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा तिलक वंदन व पूजन-अर्चन के साथ हुई। तत्पश्चात श्रीमती नागदेव मैडम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया,जिसे सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा। मंच से नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक कर एवं फूल माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को मिली नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में नवदाखिला लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गईं। साथ ही कक्षा 5वीं एवं 8वीं के वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया।

अतिथियों ने व्यक्त किए प्रेरणादायक विचार अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों ने शिक्षा के महत्व, सीएम राइस योजना की उपयोगिता एवं शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा दी। अंत में प्रभारी प्राचार्य श्री सनत दुबे ने समस्त अतिथियों, अभिभावकों,शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्कूल परिवार की ओर से बेहतर भविष्य निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम उपरांत अतिथियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों को सामूहिक भोज कराया गया। प्रवेश उत्सव का यह आयोजन प्रेरणादायक, उत्साहवर्धक एवं पूर्णत: सफल रहा।

शिक्षको और पालको की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को उचित मार्गदर्शन दें- कलेक्टर सुश्री बाफना

सीएम राइज एवं उत्कृष्ट के नवप्रवेशित बच्चों को कलेक्टर ने पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शिक्षको और पालको की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को उचित मार्गदर्शन दें। बच्चें कमजोर नहीं होते हैं, बल्कि सिखाने वाले पर निर्भर करता है कि वह क्या सिखा रहा है। इसलिये शिक्षक अपने दायित्वों का पूर्ण निर्वहन करते हुए बच्चों को योग्य बनाएं। यह बात कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज शाजापुर जिला मुख्यालय पर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल सीएम राइज विद्यालय एवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवप्रेशित बच्चों के शाला प्रवेश समारोह में कही। कलेक्टर सुश्री बाफना ने कहा कि जिले में सीएम राइज विद्यालयों का निर्माण पूर्णतः की ओर है। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी ईमारते खड़ी करना आसान है, किन्तु इससे भी जरूरी यह हैं कि बच्चें विद्यालय जाए, शिक्षा ग्रहण करें और और अच्छा नागरिक बनें। कलेक्टर सुश्री बाफना ने कहा कि पालकों का दायित्व हैं कि वे अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और उन्हें शिक्षा के लिए सदैव प्रेरित करें। शिक्षकों के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि कोई भी बच्चा कमजोर नहीं होता है, बल्कि उसे सिखाने वाले पर निर्भर करता है कि वह कैसा सिखा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मोबाईल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का उपयोग अपनी पढ़ाई के लिए करें। इसके साथ ही बच्चें खेल आदि प्रतियोगिताओं में भाग लें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रतियोगिता बहुत ज्यादा है, सफल होने के लिए अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता है। विद्यार्थी समय को व्यर्थ न गवाएं। अनुशासन का पालन करें और भविष्य की चिंता करते हुए अच्छे से अध्ययन करें। इस मौके पर सीएम राइज विद्यालय में पूर्व प्राचार्य श्री अरूण व्यास ने भी संबोधित करते हुए बच्चों को विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का पर्याप्त लाभ उठाने के लिए कहा। इसके पूर्व सीएम राइज विद्यालय में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। सरस्वती वंदना कु. विदुशी शर्मा, बलरामसिंह राजपूत ने बेंजों वादन, बच्चों ने सामुहिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर नवप्रवेशित बच्चों का पुष्प माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा किताबें एवं बस्ता भी भेंट किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक दुबे, श्री गोविंद नायक, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, डाईट प्राचार्य डॉ. बालेन्दु श्रीवास्तव, डीपीसी श्री अनुराग पाण्डे, सीएम राइज विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सविता सोनी, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य श्री प्रवीण मण्डलोई, बीआरसी श्री योगेश भावसार सहित गणमान्य नागरिक एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थीगण उपस्थित थे। सीएम राईज विद्यालय में कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विनिता विश्वकर्मा तथा उत्कृष्ट विद्यालय में संचालन श्रीमती रेखा पुरोहित ने किया।

कोतमा पुलिस की सख्त कार्रवाई

अवैध रेत परिवहन में ट्रैक्टर जब्त, चालक व मालिक पर मामला दर्ज

सुशिल सोनी । सिटी चीफ कोतमा, कोतमा पुलिस के व्दारा चोरी का रेत परिवहन करते ट्रेक्टर चालक एवं ट्रेक्टर मालिक के विरूद्ध की गयी कार्यवाही दिनांक 01.04.2025 को ग्राम चाका में थाना कोतमा पुलिस को सूचना मिली कि केवई नदी खमरौध घाट से एक नीले रंग का स्वराज ट्रेक्टर की ट्राली में कुछ लोग रेत लोड कर चोरी करके ग्राम चाका तरफ लाने वाले है । श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, अति. पुलिस अधीक्षक महोदयएवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर एक नीले सफेद रंग का स्वराज कम्पनी का ट्रेक्टर बिना नंबर चोरी का रेत परिवहन करते ग्राम चाका तालाब के पास पाये जाने पर मौके से धारा 303(2) बी.एन.एस. एवं 4/24 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत एक अदद नीले सफेद रंग स्वराज कम्पनी का ट्रेक्टर जिसकी ट्राली में 03 घन मीटर रेत लोड कुल मशरूका 803000 रूपये का जप्त कर ट्रेक्टर चालक पुरूषोत्तम सिंह पिता हेतराम सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम चाका एवं ट्रेक्टर मालिक संतोष जायसवाल निवासी चाका के विरूद्ध धारा 303(2) बी.एन.एस. एवं 4/24 खान एवं खनिज अधिनियम का अपराध कायम कर कार्यवाही की जा रही है । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरी. सुन्द्रेश सिंह मरावी ,प्र.आर. 122 संजीव त्रिपाठी आर. 232 अभय त्रिपाठी की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

भूषण गुप्ता के गलत इलाज पर मौत

चांदसी दवा ख़ाना को जिला प्रशासन ने किया सील

कोतमा, भूषण गुप्ता के गलत इलाज पर मौत हो जाने पर मिडिया के द्वारा मामले को गंभीरता से लिया और प्रशासन के सामने लाया,देर से सही किंतु प्रशासन के हरकत पर, अवैध क्लिनिक संचालकों द्वारा क्लिनिक में ताला बंद कर फरार हो गए।

एक अप्रैल को दोपहर दो बजे जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेन्द्र कुमार वर्मा ने अपने साथ अजीत तिर्की अनुविभागीय दंडाधिकारी, ईश्वर प्रधान तहसीलदार,डॉ मनोज कुमार सिंह ब्लॉक मेडिकल आफिसर,सुद्रेश सिंह थाना प्रभारी के मौजूदगी में चांदसी दवा ख़ाना का निरीक्षण किया गया, पाया गया कि चांदसी दवा खाना का संचालक विकास कुमार विश्वास के पास मानव का इलाज करने का कोई वैध प्रमाण पत्र,दवा खाने का पंजीयन,या दवा खाना संचालन का अनुमति नहीं है, अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान पाया कि चांदसी दवा खाना में क्लिनिक संचालन का सेटअप पाया गया, एलोपैथिक दवाएं के खाली डिब्बा मिले किन्तु दवाईयां नहीं मिला,

अधिकारियों द्वारा अवैध क्लिनिक चांदसी दवा खाना को सील कर दिया है,अब यह देखना होगा कि क्या जिला प्रशासन दवा खाना सील कर खाना पूर्ति करेगा या भूषण गुप्ता ने मौत के जिम्मेदार अवैध क्लिनिक संचालक के विरुद्ध ठोस कार्रवाई होगी, जिला प्रशासन ने नगरपालिका कोतमा के वार्ड 5 में डाक्टर नैन्सी पांडे द्वारा अवैध रूप क्लिनिक संचालन की शिकायत पर कार्रवाई के लिए पहुंचे, किंतु जिला प्रशासन की कार्रवाई की खबर लीक होने पर क्लिनिक पर ताला बंद मिला।

चांदसी दवा खाना को सील कर दिया गया है नियमानुसार अग्रीम कार्रवाई की जाएगी।
डॉ आरके वर्मा
जिला स्वास्थ्य अधिकारी
जिला अनूपपुर

मानव कल्याण मंच देवबंद द्वारा पर्व-दर्शिका का किया गया विमोचन

मानव कल्याण मंच देवबंद निर्धन लोगों की हरसंभव मदद कर रहा है – डॉ. अनुज गोयल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)देवबंद । सहारनपुर, मानव सेवा को समर्पित प्रमुख सामाजिक संस्था मानव कल्याण मंच देवबंद द्वारा आज पर्व-दर्शिका का विमोचन माइल स्टोन पोपिन्स प्ले स्कूल
मजनू वाला रोड देवबंद पर नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अनुज गोयल, डॉ. लीना गोयल व आशुतोष गुप्ता कुटुंब प्रबोधन विभाग संयोजक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर डॉक्टर अनुज गोयल, डॉक्टर लीना गोयल व विनोद जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण आशुतोष गुप्ता तथा मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर अनुज गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि मानव कल्याण मंच देवबंद की एक मात्र ऐसी संस्था है जिसको उन्होंने वास्तव में सेवा कार्य करते हुए देखा है। मानव कल्याण मंच काफी समय से निर्धन लोगों की हरसंभव मदद कर रहा है। कहा कि उनकी शुभकामनाएँ हमेशा मंच के साथ हैं। जहाँ भी मंच को उनकी आवश्यकता होगी वह अपनी सेवा देने के लिये तैयार है। कार्यक्रम में डॉक्टर लीना गोयल ने बच्चों में बढ़ती पाश्चात्य संस्कृति को लेकर कहा कि हमें अपने बच्चों में संस्कार देने चाहिए और उन्हें जीवन में अनुशासन सिखाना चाहिए। अनुशासन से ही बच्चें अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अतिथि आशुतोष गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि पंचांग किस तरह से हमारे जीवन में उपयोगी है और हमारा पंचांग ग्रहों की दिशा के अनुरूप कार्य करता है। मानव कल्याण मंच के सदस्य व शासकीय अधिवक्ता देवीदयाल शर्मा एडवोकेट द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि मंच

जरूरतमंदों की मदद कर रहा है और मदद वही सही होती है जो सही लाभार्थी तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह लोग भाग्यशाली है जिन्हें ईश्वर ने मदद करने वाला बनाया है।एक लंबे समय से मंच यह सेवा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी मंच इसी प्रकार से जरूरतमंदों की मदद के लिए सेवा कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में लोकेश वत्स द्वारा सनातन पर्व दर्शिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि पंचांग हमारे जीवन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है और बताया कि यह अपने आप में सभी त्योहारों को समाए हुए हैं। मंच के महासचिव राजू सैनी ने वर्षभर चलने वाले सेवा कार्यो के बारे में विस्तार से बताया। मानव कल्याण मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल ने सभी अतिथियों व मंच के सदस्यों तथा पदाधिकारियों को नव संवत्सर की बधाई दी तथा अपने संबोधन में कहा कि निर्धनों व जरूरतमंदों की सेवा करने से प्रत्येक व्यक्ति को आत्मसुख की अनुभूति होती हैं तथा हर व्यक्ति को अपने जीवन में प्रण लेना चाहिए कि वह अपने से जितना हो सके गरीबों की मदद करे। मंच के वर्तमान अध्यक्ष सुशील कर्णवाल ने सभी आगंतुकों को नव संवत्सर की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में ऐसी मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि की रचना की शुरुआत की थी। इसी दिन से विक्रम संवत् के नए साल की शुरुआत होती है। कार्यक्रम में विनोद जैन, मां त्रिपुर बाला सुंदरी देवी मेला चेयरमैन प्रतिनिधि व सभासद श्याम चौहान ने मानव कल्याण मंच द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यो की प्रशंसा की। कहा कि आशा है मंच भविष्य में भी इसी प्रकार से अपने सेवा कार्य करता रहेगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से पर्व दर्शिका संयोजक जितेंद्र कश्यप, प्रमोद मित्तल, महासचिव राजू सैनी, नरेंद्र बंसल, राजेश सैनी, यश बंसल, अमित गर्ग बिट्टू, बिजेंद्र जौहरी, राजकुमार जाटव, रविंद्र कश्यप एडवोकेट, राकेश गर्ग, गोविंद गुप्ता, अमन गोयल, चन्द्रप्रकाश गाबा, कुशल सिंघल, सुशील सिंघल, कुलदीप दीप, नीरज गर्ग, मयूर गर्ग, प्रवेश सैनी, शलभ अग्रवाल, धनंजय भतीजा आदि उपस्थित रहे। संचालन राजीव शर्मा ने किया।

मण्डलायुक्त ने किया विकास भवन का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन रोकने के साथ कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा विकास भवन में संचालित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता लघु सिंचाई, जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास, उप निदेशक समाज कल्याण, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता आरईडी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, अधीक्षण अभियन्ता आरईडी, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय के 09 अधिकारी एवं 70 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गये।
मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने

मुख्य विकास अधिकारी को अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवस का वेतन अवरूद्ध करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा संतोषजनक उत्तर प्राप्त होने की दशा में वेतन आहरण हेतु आख्या अपनी संस्तुति सहित एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 एम0पी0सिंह गौड, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार शर्मा, अधिशासी अभियन्ता आरईडी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता आदि उपस्थित रहे।

के. एल. जनता इंटर कॉलेज देवबंद में नए सत्र का शुभारंभ सुंदरकांड के पाठ से किया गया

श्री बालाजी ट्रस्ट देवबंद के सेवादारों द्वारा अपनी संगीतमय प्रस्तुति से भगवान बालाजी महाराज का गुणगान किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर ।देवबंद, के. एल. जनता इंटर कॉलेज देवबंद में नए सत्र का शुभारंभ सुंदरकांड के पाठ से किया गया। इस शुभ अवसर पर श्री बालाजी ट्रस्ट देवबंद के सेवादारों द्वारा अपनी संगीतमय प्रस्तुति से भगवान बालाजी महाराज का गुणगान किया गया। विद्यालय प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने बालाजी महाराज के सम्मुख ज्योति प्रचलित की एवं नए सत्र के प्रारंभ पर सभी को शुभकामनाएं दी ।विद्यालय प्रधानाचार्य राजकुमार ने समस्त स्टाफ को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय में होने वाले नए कार्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर संजय धीमान, ईश्वर सिंह, बलदेव राज, अनुज त्यागी, नर्मदा त्यागी, स्वाति सिंघल,गोरों, शिखा सिंघल, संदीप, सचिन,ओम कुमार, विनय कुमार, भरत गोयल, सुमन, अर्चना, पूजा, नीरज, उपासना, रोहित ,आलोक, आदेश, आशुतोष, आशीष सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

भू माफिया के खिलाफ आदिवासी समाज की जनसुनवाई में गुहार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ दबंगों द्वारा आदिवासी एवं बैगा संरक्षित जाति जिनको शासन द्वारा वन अधिकार पट्टे दिए गए थे ऐसी संरक्षक जाती के लोगों को हटाकर बाहर से आए हुए लोगों को जमीन दिलाने का खेल खेला जा रहा है 60 से 70 आदिवासी समाज के ग्रामीणों ने जनसुवाई में भू माफिया लियाकत अली के विरुद्ध की शिकायत । जनपद सदस्य को जान से मारने की धमकी का है मामला। अनुपपुर के तारादांड ग्राम पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम डीडवापानी ग्राम जो कि वनाधिकार पट्टे पर बसा हुआ आदिवासी समुदाय का पुस्तैनी ग्राम है इस ग्राम के जनपद सदस्य को भू माफिया लियाकत अली द्वारा अभद्र भाषा गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी की शिकायत थाने एवं एस डी एम के पास होने के एक माह बाद भी लियाकत अली पर कार्यवाही नहीं होने से परेशान जनता आज 60से 70 की संख्या में महिला एव पुरुष दोनों ही कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस अधीक्षक के समक्ष आवेदन पत्र पेश किया एवं जांच कर जल्द से जल्द कार्यवाही करने की मांग की। आवेदन पत्र अनुसार ग्रामीडो ने बताया कि

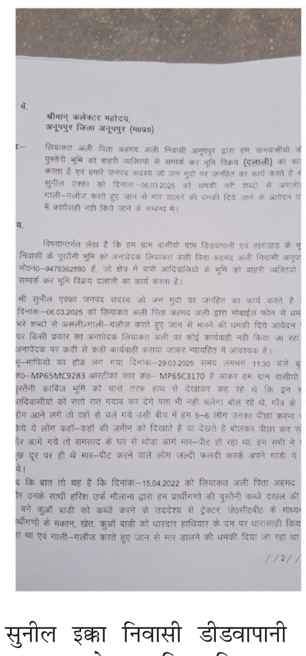
श्रीमान् कलेक्टर महोदय,
अनूपपुर जिला अनूपपुर (म0प्र0)

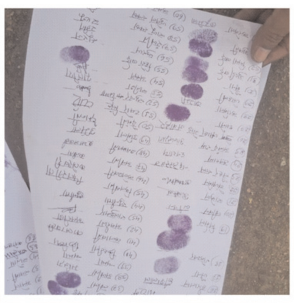

सुनील इक्का निवासी डीडवापानी अनुपपुर को भू माफिया लियाकत अली निवासी अनुपपुर जो कि दलाली का कार्य करता है जबरन वनाधिकार पट्टे की इन ग्रामीणों की जमीन पर दबंगई कर कब्जा करने के प्रयास में है जिसका ग्रामीडों एवं जनपद सदस्य सुनील इक्का द्वारा विरोध किया गया था जिससे नाराज लियाकत अली ने सुनील इक्का को फोन पर अभद्र गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी जिसकी फोन रिकार्डिंग भी सुनील इक्का के पास मौजूद है , इस घटना के बाद सुनील इक्का द्वारा 8/03/2025 थाना कोतवाली में शिकायत की थी एवं इस शिकायत पर कार्यवाही की मांग की थी पर जब एक माह बाद भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तब आज ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कलेक्टर एव पुलिस अधीक्षक से जनसुनवाई के माध्यम से की और जल्द कार्यवाही की मांग की।

मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार धार्मिक नगरी उज्जैन में दिनांक से 01.04.2025 से शराब बंदी पूर्णतः लागू

जिले के सभी थानाक्षेत्र के ढाबों और अधिकृत बिक्री करने वालों को थाना बुलाकर ली गई बैठक।
पूर्व से शराब बिक्री करने वाले व्यक्तियों को अब शराब बिक्री ना करने हेतु निर्देश दिए, सभी को बाउंड ओवर किया गया।

उज्जैन– मध्यप्रदेश शासन के आदेश के पालन में पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा दिनांक 01.04.25 से उज्जैन शहर में पूर्णतः शराब बंदी को लागू किया गया। इसी संबंध में जिले के सभी थानाक्षेत्रों में पूर्व से शराब बिक्री करने का रिकॉर्ड रखने वाले व्यक्तियों को थाने बुलाकर निर्देश दिए गए कि उज्जैन में शराब बंदी लागू होने के बाद शराब बिक्री पूर्णतः बंद करे।

सभी ढाबे वालों व बिक्री वाले व्यक्तियों के विरुद्ध बाउंड ओवर की कार्यवाही की गई। । यह बैठक क्षेत्र में अवैध गतिविधियों, खासकर शराब बिक्री पर नियंत्रण के लिए आयोजित की गई थी।

ढाबों और बिक्री वालों को निर्देश सभी ढाबों और बिक्री करने वालों को अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी गई।
सभी दुकानदारों को यह स्पष्ट किया गया कि वे किसी भी प्रकार से अवैध शराब की बिक्री में शामिल नहीं होंगे, शराब बेचने की गतिविधियों की निगरानी कड़ी की जाएगी और इस संबंध में कोई भी उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बाउंड ओवर की कार्यवाही
बैठक के दौरान, पुराने शराब बेचने वालों के खिलाफ बाउंड ओवर की कार्यवाही की गई। इन व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी, ताकि वे भविष्य में अवैध शराब बिक्री में संलिप्त न हो सकें। सभी थानाक्षेत्रों में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय पुलिस द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इस बैठक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि अवैध शराब बिक्री और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर

कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार इन गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि करने वालों के खिलाफ त्वरित और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वायडी नगर पुलिस को मिली सफलता चोरी गई दो पिकअप वाहन को बरामद कर आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 60 लीटर अवैध जहरीली शराब की जप्त

मंदसौर– घटना –01 का संक्षिप्त विवरण – फरियादी रमेश पिता भेरूलाल कुमावत निवासी नरसिंहपुरा ने थाना उपस्थित आकर सूचना दी कि खाटु श्याम मंदिर के सामने इन्द्रा कालोनी मंदसौर मे दिनांक 15.03.2025 की मध्यरात्रि मे अज्ञात बदमाश उसकी महिन्द्रा कम्पनी की पिकअप क्रंमाक स्क्का4त्नष्ट0693 को चुराकर ले गये सूचना पर से थाना वायडी.नगर मंदसौर पर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता का कायम कर विवेचना मे लिया गया । घटना –02 का संक्षिप्त विवरण – फरियादी गोविंद पिता मागुसिंह पंवार निवासी गडसिंगा थाना इंगोरिया जिला उज्जैन ने सूचना दी कि वो लहसुन लेकर कृषि उपज मंडी प्रांगण मंदसौर आया था जो लहसुन खाली कर पिकअप मंडी प्रांगण में ही खडी कर दी थी जो दिनांक 23.03.2025 की रात्री मे अज्ञात बदमाश फरियादी की बोलेरो कम्पनी की पिकअप क्रंमाक स्क्का3 ँक्क2574 को चुराकर ले गये । सूचना पर से थाना वायडी.नगर मंदसौर पर अपराध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता का कायम कर विवेचना मे लिया गया ।
घटना क्रम खुलासा – अभिषेक आनंद पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा निरीक्षक संदीप सिंह मंगोलिया थाना प्रभारी थाना वायडी नगर के कुशल नेतृत्व में उनि कपिल सोराष्ट्रीय चोकी प्रभारी मुल्तान पुरा को कार्यवाही हेतु निर्देशित कर टीम का गठन किया जो तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबीर तन्त्रो की सहायता लेकर अज्ञात आरोपियो की हर संभव तलाश की गई जो विश्वशनीय मुखबीर के द्वारा बताया गया कि एक व्यक्ति बोलेरो पिकअप वाहन से अवेध कच्ची शराब लेकर आ रहा हे जो पुलिस टीम के द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये सिंदपन के पास आरोपी सोहेल पीपी उर्फ अन्ना पिता साबीर नियारगर उम्र 23 साल निवासी बोतलगंज थाना पिपलियामंडी को मय पिक अप वाहन के घेराबंदी कर रोका जिसके कब्जे से 60 लीटर अवेध कच्ची जहरीली शराब मय पिकअप वाहन क्रमांक स्क्का3 ँक्क2574 को विधीवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया , आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) 49 ए आबकारी एक्ट का प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया , आरोपी से सख्ती से पुछताछ की गई तो आरोपी सोहेल ने अपने साथीगणो के साथ पिकअप चोरी करना स्वीकार किया आरोपी के द्वारा बताया गया कि उसने उसके साथी सुरज बंजारा , करण मालवीय के साथ मिलकर दिनांक 15-03-25 की रात्री मे खाटु श्याम मंदिर के सामने इन्द्रा कालोनी मंदसौर से पिकअप वाहन स्क्का4त्नष्ट0693 चुराई थी व उक्त आरोपीगणो के साथ ही दिनांक 23-03-25 को कृषि उपज मंडी प्रांगण मंदसौर से पिकअप क्रंमाक स्क्का3 ँक्क2574 चुराई थी जो आरोपी सोहेल की निशादेही से दुसरी पिकअप जिसका क्रमांक स्क्का4त्नष्ट0693 को विधीवत जप्त किया । आरोपी सोहेल पीपी उर्फ अन्ना पिता साबीर नियारगर उम्र 23 साल निवासी बोतलगंज थाना पिपलियामंडी आपराधिक प्रवृती का हे

हमनें बाबूजी स्व. सुभाष यादव के सपनों को किया साकार - अरूण यादव

निमाड़ के किसानों की धरती को बनाया ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र

खरगोन पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव ने अपने पिता पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर अपने गृह गॉव बोरावां में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमने बाबूजी के सपनों को साकार किया है । निमाड़ के किसानों की धरती पर बाबूजी द्वारा बोरावां में स्थापित उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों को हमनें ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान का प्रमुख केन्द्र बनाने की कोशिश की है । यादव ने बताया कि स्व. गुलाबबाई यादव स्मृति शिक्षा महाविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त करने के लिए मप्र और छत्तीसगढ़ का एकमात्र अनुसंधान केन्द्र बनाया है । इसी प्रकार जी.आर.व्हाय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों द्वारा दवाई उद्योग पर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है । इसके लिए केलिफोर्निया यूएसए, ताईवान और देश के विभिन्न शोधकर्ताओं की उपस्थिति में हाल ही में बोरावां में इंटरनेशनल कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था । इंजीनियरिंग कॉलेज जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरावां में भी इंजीनियरिंग और फॉर्मेसी के क्षेत्र में विकास के अवसर और चुनौतियों पर नेशनल कान्फ्रेन्स का आयोजन आगामी 10 अप्रैल को बोरावां में किया जा रहा है ।

निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे स्व. सुभाष यादव स्व. सुभाष यादव के छोटे सुपुत्र मप्र के कृषि मंत्री रहे कसरावद के विधायक सचिन यादव ने अपने पिताश्री का पुण्य स्मरण करते हुए बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव निमाड़ में आधुनिक और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के प्रणेता थे । उनके द्वारा स्थापित सभी उच्च तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में किसानों और मजदूरों के बालक-बालिकाएँ ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर अब अनुसंधान कर रहे हैं । उनका विविध क्षेत्रों में किया जा रहा यह अनुसंधान देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा । उन्होनें आगे बताया कि बोरावां के शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश विदेश में ख्याति प्राप्त संस्थानों में अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं । यह हम सब निमाड़ वासियों के लिए गौरव का विषय है ।

स्व. सुभाष यादव को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए बोरावॉ में उमड़ा जनसैलाब हरित क्रांति के अग्रदूत मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के 79 वें जन्मदिवस पर उनके गृह गॉव बोरावां में आज मंगलवार 1 अप्रैल को निमाड़, मालवा और प्रदेशवासियों ने उन्हें विनम्र पुष्पांजलि अर्पित की । स्व. सुभाष यादव की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती यादव, ज्येष्ठ सुपुत्र पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव , छोटे सुपुत्र और मप्र के पूर्व कृषि मंत्री एवं विधायक सचिन यादव, उनके भाई राजेन्द्र यादव सहित सभी परिजनों ने अपने पितृ पुरूष स्व. सुभाष यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की । इस अवसर पर मारूति रामायण मण्डल द्वारा भजन कीर्तन कर सुंदरकाण्ड का पाठ भी किया गया ।

स्व. सुभाष यादव ने बदला किसानों के साफे का रंग अरूण यादव और सचिन यादव ने बोरावां में आज मंगलवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव के प्रयासों से निमाड़ के खेतों में सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी पहुँचा है । किसान आत्मनिर्भर होकर समृद्धशाली बन गए हैं । बाबूजी कहा करते थे कि खेतों में सिंचाई के बिना किसानों की प्रगति नहीं हो सकती । इसलिए उन्होंने सबसे पहले किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए नहरों का जाल बिछाकर नर्मदा का पानी पहुँचाया है । इस सिंचाई से निमाड़ में चारों तरफ खेतों में समृद्धि की हरियाली छा रही है । अभी भी हमारा प्रयास है कि किसान का कोई भी खेत सिंचाई से वंचित न रहे । बाबूजी के अनुसार अब निमाड़ के किसानों के साफे का रंग बदल गया है । वे सच्चे अर्थों में किसानों के लिए भगीरथ थे और हरित क्रांति के अग्रदूत भी थे ।

स्व. सुभाष यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि इस अवसर पर कांग्रेस कार्यर्ताओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा स्व. सुभाष यादव की स्मृति में प्रकाशित किये गये वार्षिक केलेण्डरों का विमोचन भी अरूण यादव और सचिन यादव ने किया । बोरावॉ में स्व. सुभाष यादव द्वारा स्थापित सभी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा भी अपने पितृ पुरूष को पुष्पांजलि अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया । जवाहरलाल नेहरू सहकारी शकर कारखाने में स्व. सुभाष यादव की प्रतिमा पर भी अरूण यादव सचिन यादव और उनके परिजनों ने माल्यार्पण कर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की ।

गणगौरी तीज पर श्रद्धालुओं के लिए खुले बाड़ीयो के द्वार,भक्तों ने माता के किए दर्शन

खरगोन जिले के कसरावद में गणगौर तीज पर मंगलवार की सुबह से बाड़ीयो के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। नगर के कुशवाहा मोहल्ला, ब्राह्मण मोहल्ला की बाड़ी, अरिहंत नगर, आदर्श नगर में माता के दर्शन के लिए भक्तों के लंबी कतार लग गई। बाड़ी में धनिया राजा, रेणु बाई को अपने माथे पर श्रंगार कर बाड़ी स्थान पर ज्वारा लेने पहुंचे । श्रद्धालुओं ने क्रमबद्ध तरीके से माता के ज्वारो का पूजन अर्चन किया। और मनोकामनाएं मांगी। और ज्वारों को रथो में रखकर श्रद्धालु ढोल ताशो एव बेंड बाजो से माता की सेवा के लिए घर ले गए। पंडित गौतम रावल द्वारा बताया गया कि सुबह 5-00 से ही माता की बाड़ीया श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोली गई। बाड़ीयो में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी । धूमधाम से गणगौर माता को अपने घर ले गए। एक हफ्ते पहले बाड़ी में माताजी के ज्वारे स्थापित किए गए थे। इस दौरान बाड़ी प्रमुख और उनके परिवार ने विधिवत ज्वारों की सेवा की।

बटलावदी में मनाया नववर्ष उत्सव

उज्जैन

ग्राम भारती शिक्षा समिति उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बटलावदी में नव संवत्सर के अवसर पर ग्राम वासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं नीम व मिश्री के प्रशाद के साथ तिलक लगाकर दी गई।इस अवसर पर कक्षा 8वी के भैया बहिन का दीक्षांत समारोह किया गया।कक्षा5वी एवं 8वी के भैया बहिन एवं उनके अभिभावकों का सम्मान भी विध्यालय द्वारा किया गया कक्षा 8वी प्रथम स्थान प्राप्त बहिन पूजा मुकेश पांचाल ने 85% अंक प्राप्त किए। कक्षा 5वीं में बहिन आरती मुकेश पांचाल ने 91% अंक प्राप्त किए । ग्राम पंचायत बटलावदी के सरपंच श्री प्रहलाद सिंह सोंलकी द्वारा बहिन को 500 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया। विध्यालय के समिति सदस्यों द्वारा भी उनका स्वागत सम्मान किया गया कक्षा 8वी में द्वितीय स्थान पर बहिन निलम राठौड़ ने 81% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।कक्षा 5 वी में भैया लोकेन्द्रसिंह शेर सिंह जी पंवार ने 87%अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8वी में भैया सूरज प्रहलाद पाटीदार ने 80%अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया ।एवं कक्षा 5वी में वीराकुंवर गट्टू सिंह ने 81% अंक प्राप्त किए । विद्यालय परिवार द्वारा सभी भैया बहिन का उनके अभिभावकों के साथ सम्मान किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दरबार सिंह राठौर एवं अध्यक्षता ग्राम पंचायत बटलावदी के सरपंच साहब श्री प्रहलाद सिंह सोंलकी ने की श्री दरबार सिंह राठौर ने दीक्षांत समारोह के अवसर पर कहा कि आपको जो यहां से संस्कार प्राप्त हुए है इन्हें भुलना नही आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम के अवसर विध्यालय समिति सदस्यों में श्री दशरथ सिंह गोयल,श्री दशरथ राठौड़,श्री मुकेश पांचाल युवा मण्डल अध्यक्ष श्री अम्बे सिंह गोयल,श्री गट्टू सिंह गोयल पूर्व आचार्य श्री महेश पाटीदार एवं प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी शर्मा आचार्या श्रीमती निर्मला प्रजापत, श्रीमती माया पंवार, श्रीमती प्रेमलता डाबी,सुश्री दिव्या डोडिया एवं तुलसी राठौड़ उपस्थित रहे !

बंजारी स्कूल में मनाया प्रवेश उत्सव

उज्जैन

स्कूल चले अभियान के अंतर्गत प्रवेश उत्सव नवीन शैक्षणिक छात्र 2025 26 में एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बंजारी में दिनांक 1 अप्रैल 2025 को प्रवेश उत्सव उत्सव पूर्वक मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन के साथ किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री लाल सिंह सिसोदिया पूर्व जनपद उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि जनपद सदस्य दशरथ शर्मा विशेष अतिथि लक्ष्मी नारायण पाटीदार पूर्व सरपंच एवं जितेंद्र कुमार जी चतुर्वेदी इस कार्यक्रम में अतिथियों का संस्था परिवार द्वारा तिलक लगाकर व फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इसके पश्चात मुख्य अतिथियों द्वारा बच्चों को तिलक लगाकर एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया नवीन पाठ्य पुस्तक प्रदान की गई तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा उद्बोधन दिया गया जिसमें श्री लाल सिंह बंजारी द्वारा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया बच्चों को नियमित स्कूल आने को एवं संस्था में प्रवेश के लिए प्रेरित किया साथ ही शासकीय शालाओं की गुणवत्ता बताई इस कार्यक्रम में प्राचार्य श्री योगेंद्र शर्मा ,श्री विजय कुमार सोलंकी , श्री राहुल धनगर एवं बच्चे उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्री अरविंद कुमार चौरसिया द्वारा किया गया एवं आभार श्री घनश्याम गौड़ सर द्वारा किया गया !

शासकीय हाई स्कूल रुनखेडा में मना प्रवेश उत्सव

तिलक लगाकर पुस्तकें वितरित

उज्जैन

नए शिक्षा सत्र के आरंभ होते ही विद्यालय खुल गए हैं । अनेक स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया । वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुनखेडा में प्रवेश उत्सव के दौरान जहां ग्रामीण और पालकगण मौजूद थे वहीं छात्र छात्राओं का स्कूल में सैलाब उमड़ पड़ा । प्रवेश उत्सव में शिक्षकों ने उनका पुष्पाहारों से स्वागत किया गया। छात्र-छात्राओं के साथ पालकों का इस मौके पर तिलक लगाकर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्रीमती इंद्रा कुंवर देवड़ा सहित स्कूल के स्टाफ ने स्वागत किया । प्रथम दिवस मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यालय का शुभारंभ किया गया इसके पश्चात छात्र छात्राओं को पुस्तकें वितरण कर माननीय मुख्यमंत्री महोदय का राज्य स्तरीय प्रोग्राम लाईव दिखाया गया । साथ ही शाला प्रबंधन समिति और बाल कैबिनेट के बीच शिक्षा सत्र आरंभ होते ही बैठक हुई । इसमें विद्यालय में बेहतर शिक्षा प्रबंध किए जाने पर विचार विमर्श किया गया । पालकों ने बैठक में अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने का वचन दिया । प्रवेश उत्सव के समय शिक्षक रनछोड नायमा, संजय शर्मा, मुकेश पाटीदार, लेखापाल महेश पांचाल, जन शिक्षक मनोज पुरोहित, अजय चौहान अतिथि शिक्षक दिनेश चौधरी, महेन्द्र सिंह गोहिल, संतोष वरतिया, किरण गुजर, सोनम वर्मा, कम्प्यूटर आपरेटर रवि लिंमबोला , राजेश जाटवा एवं पालकगण उपस्थिति थे ।

भाजपा की आगामी कार्य योजना को लेकर जिला बैठक आज

2 अप्रैल को भाजपा की आगामी कार्य योजना को लेकर जिला बैठक

धार

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन की आगामी कार्य योजना को लेकर जिला कामकाजी बैठक बुधवार 2 अप्रैल को आयोजित की गई है जिसमें भाजपा जिला संगठन प्रभारी श्री श्याम बंसल भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती बैठक को संबोधित करेंगे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि धार जिला संगठन की बैठक में धार विधानसभा, बदनावर और सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र के अपेक्षित भाजपा नेता कार्यकर्ता शामिल होंगे अपेक्षित श्रेणी इस प्रकार हैं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वर्तमान और पूर्व विधायक भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी पूर्व निगम मंडल अध्यक्ष जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिला अध्यक्ष / महामंत्री मंडल अध्यक्ष / मंडल प्रभारी आजीवन सहयोग निधि जिला प्रभारी, सह प्रभारी जिला पंचायत अध्यक्ष /उपाध्यक्ष जनपद अध्यक्ष /उपाध्यक्ष नगर पालिका /नगर परिषद अध्यक्ष प्रकोष्ठ जिला संयोजक सहित विशेष रूप से आमंत्रित भाजपा नेता मौजूद रहेंगे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

नगर परिषद को मिली सौगात, पानी के दो टैंकर फायर फाइटर

खरगोन विधायक सचिन यादव विधानसभा क्षे.त्र कसरावद द्वारा विधायक निधि से नगर परिषद कसरावद को नगर मे जल वितरण हेतु 2 नवीन फायर फाईटर पानी के टेंकर प्रदाय किये गये। जिसका लोकार्पण विधायक प्रतिनिधी राजेन्द्रसिंह यादव उपाध्यक्ष प्रतिनिधी पप्पु सोनी , पार्षद डॉ षिरिष जायसवाल, पार्षद प्रतिनिधी सईद हेडली, प्रतिनिधी प्रदिप सोलंकी, प्रतिनिधी देवा सिसोदीया, सुभम कुषवाह प्रतिनिधी इम्तीयाज पटेल पार्षद प्रतिनिधी ,परमानंद खेडे पार्षद प्रतिनिधी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश गोले एवं निकाय कर्मचारी कि उपस्थिती मे फिता काटकर निकाय को सौगात दि गई।

ग्राम भारती जिला उज्जैन की जिला स्तरीय प्रधानाचार्य सत्रांत बैठक संपन्न...

उज्जैन

कार्यकर्ता कभी सेवानिवृत नहीं होता वो हमेशा अपने कार्य के प्रति समर्पित रहता है- डॉ राजेंद्र शर्मा

जिले को 2027 तक अ.भा. स्तर पर उत्कृष्ट बनाने का संकल्प - राजपाल सिंह पंवार

विद्या भारती का कार्यकर्ता बनना मेरे लिए सौभाग्यशाली - हुकुमसिंह गौड़ विद्या भारती ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन की जिला स्तरीय प्रधानाचार्य व सत्रांत बैठक सरस्वती शिशु मंदिर सेदरी में सम्पन्न हुई।बैठक में अतिथि राजेन्द्र शर्मा प्रांतीय अध्यक्ष मालवा प्रांत, भगवानसिंह पंवार वनवासी कल्याण परिषद अध्यक्ष मालवा प्रांत, रामेश्वर सेकवड़िया जिला अध्यक्ष उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति उज्जैन, कैलाश बेड़ा जिला सचिव उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति , हुकुमसिंह गौड़ पूर्व जिला प्रमुख उज्जैन व राजपालसिंह पंवार का आतिथ्य प्राप्त हुवा।मंचासीन अतिथियों का स्वागत संकुल प्रमुख राजेंद्रसिंह राजावत, सुमेरसिंह चौहान व दिनेश परिहार द्वारा किया गया।बैठक में नवीन जिला प्रमुख राजपालसिंह पंवार व नवीन तहसील प्रमुख अर्जुन मण्डलोई का मंचासीन अतिथियों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। साथ ही पूर्व जिला प्रमुख हुकुमसिंह गौड़ का सेवानिवृति के अवसर पर विदाई समारोह कर स्वागत सम्मान व प्रतीक चिन्ह भेंट किये गए। साथ में पूर्व तहसील प्रमुख घनश्याम पाटीदार को जिला प्रमुख हाटपीपल्या और पूर्व तहसील प्रमुख गजेंद्र पुष्पद को भीस्वागत सम्मान कर विदाई दी गई। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ राजेंद्र शर्मा का मार्गदर्शन उपस्थित समस्त प्रधानाचार्य को प्राप्त हुवा। आपने कहा कि विद्यालय आदर्श बने ऐसा संकल्प हम ले। विद्या भारती का कार्यकर्ता कभी सेवानिवृत नहीं होता वो हमेशा अपने कार्य के प्रति समर्पित रहता है।साथ ही जिला सचिव कैलाश बेड़ा द्वारा जिले के वर्ष भर के विषय का प्रतिपादन किया गया। नवीन जिला प्रमुख राजपाल सिंह पंवार द्वारा जिले को 2027 तक अखिल भारतीय स्तर पर उत्कृष्ट बनाने का संकल्प दिलाया। हुकमसिंह गौड़ ने अपनी सेवानिवृत पर सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि विद्या भारती का कार्यकर्ता बनना मेरे लिए सौभाग्य का विषय रहा। बैठक में जिले के समस्त संयोजक महोदय भी उपस्थित रहे...उपस्थित समस्त अतिथियों का जिला समिति की ओर से प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। बैठक में वार्षिक गतिविधियों जिलांश, शुल्क संग्रह, छात्र संख्या वृद्धि, समर्पण, निबंध लेखन, अखिल भारतीय स्तर, क्षेत्र में सर्वाधिक सहभागिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय के संयोजक और प्रधानाचार्य का सम्मान किया गया।बैठक में जिला समिति से गोवर्धनलाल बंबोरिया, उमाशंकर आर्य, कैलाश लश्कन, रामसिंह पंवार संकुल संयोजक बाबूलाल नागर, घनश्याम पाटीदार जिला प्रमुख हाटपिपल्या,अर्जुन मण्डलोई तहसील प्रमुख उज्जैन, गजेंद्र पुष्पद पूर्व तहसील प्रमुख उज्जैन, शुभम पटेल कार्यालय प्रमुख, मनीष बंड्या कार्यालय प्रमुख ,समस्त संकुल प्रमुख व जिले के सभी प्रधानाचार्य ,संयोजक उपस्थित थे। सभी को प्रतिक चिह्न भेंट किया गया। बैठक का संचालन संकुल प्रमुख केसरसिंह राठौर व आभार प्रकट संकुल प्रमुख अशोक पाटीदार द्वारा किया गया ।

जनसुनवाई में आए कुल 45 आवेदन आए

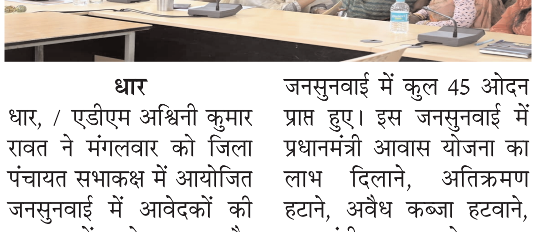

धार

धार, / एडीएम अश्विनी कुमार रावत ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर जगदीश मेहरा, एसडीएम रोशनी पाटीदार ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस जनसुनवाई में कुल 45 ओदन प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जा हटवाने, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, भू-अर्जन का लाभ दिलाने, समयामान वेतन एरिया राशि का भुगतान करवाने, बिजली बिल माफ करने, आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने इत्यादि संबंधी आवेदन प्राप्त हुए।

वक्फ बिल पर बड़ा विवाद, 5 प्रमुख कारणों से क्यों नाराज हैं मुसलमान?

नेशनल डेस्क. वक्फ संशोधन विधेयक आज लोकसभा में पेश किया जाएगा और यह विधेयक कई कारणों से मुस्लिम समुदाय में गहरी नाराजगी का कारण बन गया है। मुस्लिम संगठनों के अलावा विपक्ष भी इस बिल का विरोध कर रहा है। वक्फ बिल के तहत किए गए संशोधनों से कई लोग असहमत हैं और इसका असर वक्फ संपत्तियों और मुस्लिम धार्मिक संस्थाओं पर पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि इस विधेयक में कौन से ऐसे बदलाव किए गए हैं, जिनसे मुस्लिम समाज नाराज है।

1. वक्फ संपत्तियों का संकट

वक्फ बिल के तहत यह प्रावधान किया गया है कि अगर वक्फ बोर्ड की संपत्ति का रजिस्टर मौजूद नहीं है, तो उसे 6 महीने बाद कोर्ट में कानूनी सहायता नहीं मिल पाएगी। ध्यान रहे कि भारत में कई वक्फ संपत्तियाँ 500 से 600 साल पुरानी हैं, जिनके दस्तावेज या रजिस्टर उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण इन संपत्तियों पर कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है, जिससे मस्जिदों, कब्रिस्तानों और वक्फ स्कूलों को नुकसान हो सकता है। मुस्लिम समुदाय का मानना है कि इससे उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर खतरे में पड़ सकती है।

2. लिमिटेशन एक्ट की नई दिक्कतें

वक्फ बिल में एक और बदलाव किया गया है, जिसमें वक्फ बोर्ड को लिमिटेशन एक्ट 1963 के तहत लाया गया है। इसका मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति 12 साल या उससे अधिक समय तक वक्फ संपत्ति पर कब्जा करता है, तो वक्फ बोर्ड इस संदर्भ में कानूनी मदद नहीं ले सकेगा। यह प्रावधान मुस्लिम समुदाय को चिंतित कर रहा है, क्योंकि इसके तहत वक्फ संपत्तियों का स्वामित्व बदल सकता है और धार्मिक संपत्तियाँ भी गैर-मुस्लिमों के हाथों में जा सकती हैं।

3. सरकार का बढ़ता नियंत्रण

नए कानून के तहत यह भी प्रावधान किया गया है कि वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा, और रजिस्ट्रेशन का अधिकार अब जिला कलेक्टर के पास होगा। इसके अलावा, केंद्रीय वक्फ काउंसिल में केंद्र सरकार तीन सांसदों को नियुक्त कर सकती है, जो जरूरी नहीं कि मुस्लिम हों। इसका मतलब है कि सरकार का वक्फ बोर्ड पर अधिक नियंत्रण होगा, और इसे लेकर मुस्लिम समुदाय में डर है कि उनका धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन हो सकता है।

4. गैर-मुसलमानों की एंट्री और महिलाओं की भागीदारी

वक्फ बिल के तहत यह भी प्रस्तावित किया गया है कि वक्फ बोर्ड में 2 महिलाएँ और 2 गैर-मुसलमानों को शामिल करना अनिवार्य होगा। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि यह बदलाव इस्लामिक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ है। इसके अलावा, बिल में यह भी कहा गया है कि केवल वही व्यक्ति वक्फ संपत्ति दान कर सकते हैं, जो कम से कम 5 साल से इस्लाम का पालन कर रहे हों। इस प्रावधान से वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता पर सवाल उठ रहे हैं, और इसे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप माना जा रहा है।

5. वक्फनामा की अनिवार्यता

इस्लामिक परंपरा के अनुसार, मौखिक रूप से भी वक्फ संपत्ति दान की जा सकती थी, लेकिन नए कानून के तहत यह अनिवार्य किया गया है कि वक्फ डीड (वक्फनामा) के बिना कोई भी संपत्ति वक्फ बोर्ड की नहीं मानी जाएगी। इसके लिए दान का एक कानूनी दस्तावेज होना आवश्यक होगा। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि यह परिवर्तन इस्लामिक परंपराओं के खिलाफ है, क्योंकि मौखिक वक्फ को मान्यता दी जाती थी और इसे बदलने से वक्फ की धार्मिक भावना पर असर पड़ सकता है।

6. हाई कोर्ट में अपील की अनुमति

वर्तमान में, यदि वक्फ बोर्ड किसी संपत्ति पर दावा करता है, तो उसे ट्रिब्यूनल में ही अपील की जा सकती है और ट्रिब्यूनल का निर्णय अंतिम होता है। लेकिन नए विधेयक में यह प्रावधान किया गया है कि वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले को अब हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। यह बदलाव भी विवाद का कारण बन रहा है, क्योंकि इससे ट्रिब्यूनल की स्वायत्तता में कमी आ सकती है और इसे सरकार द्वारा नियंत्रित किए जाने की संभावना हो सकती है। कुल मिलाकर, वक्फ बिल में किए गए ये संशोधन मुस्लिम समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। कई लोग इसे उनके धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन मानते हैं और उनका मानना है कि इससे वक्फ बोर्ड और अन्य धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है।

Birja Temple जहां नवरात्रि में 15 साड़ियों और सोने से हो रहा देवी का भव्य श्रृंगार

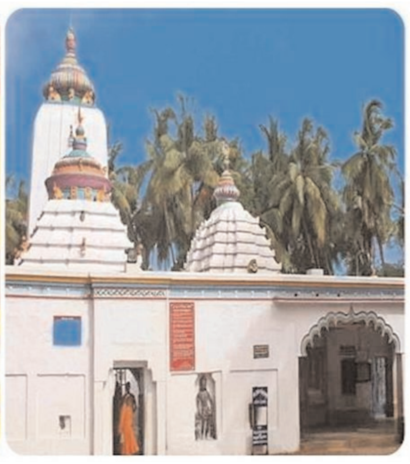

नेशनल डेस्क। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 90 किमी दूर जाजपुर जिला स्थित बिरजा देवी का मंदिर तीर्थ यात्रियों के लिए एक प्रमुख स्थान है। यहां स्थित मां बिरजा का मंदिर एक शक्तिपीठ के रूप में प्रसिद्ध है जहां श्रद्धालु पवित्रता प्राप्त करने के लिए आते हैं। इस स्थान को विराज या बिराज क्षेत्र कहा जाता है जो श्रद्धालुओं के शुद्धिकरण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्कंद पुराण के अनुसार ऐतिहासिक महत्व

यह स्थान स्कंद पुराण के अनुसार अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां माता सती की नाभि गिरी थी जिसके बाद यहां एक गहरा कुआं बन गया जिसे धरती की नाभि कहा जाता है। श्रद्धालु इस कुएं के जल से पितरों का पिंडदान करते हैं। नवरात्र के दिनों में इस स्थान पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है जो यहां धार्मिक अनुष्ठान करने आते हैं।

नवरात्र के दौरान भास्कर टीम द्वारा इस स्थान पर किए गए दौरे में आंध्र प्रदेश से आए गोपालन कृष्णन ने बताया कि वह पितरों के लिए पिंडदान करने आए हैं। उन्होंने इसे प्रयागराज और गया की तरह एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल बताया। मंदिर के ट्रस्टी सदस्य ज्ञान रंजनपति ने बताया कि स्कंद पुराण में बिरजा क्षेत्र का महात्म्य स्पष्ट रूप से वर्णित है जहां देवी पार्वती ने भगवान शिव से मिलन के लिए तपस्या की थी।

108 शिवलिंग और अनूठा कुआं

यह मंदिर 13वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था और यहां मां बिरजा के साथ 108 शिवलिंग भी स्थापित हैं जो 800 साल से यहां मौजूद हैं। इन शिवलिंगों का महत्व श्रद्धालुओं के लिए अद्भुत है। मान्यता है कि यहां स्थित कुएं को नाभिगया कहा जाता है जो भगवान विष्णु के भक्त राक्षस गयासुर की नाभि गिरने की जगह मानी जाती है। यहां पिंडदान की परंपरा भी है और यह भारत के 51 शक्तिपीठों में एक ऐसा स्थान है जहां पिंडदान की विशेष मान्यता है।

मां बिरजा की मूर्ति और दर्शन का महत्व

मंदिर में मां बिरजा की मूर्ति का स्वरूप भी विशेष है। उनके मस्तक में भगवान शिव, गणपति, शक्ति, नागराज और चंद्रमा की आकृतियां बनी हुई हैं जो इस मूर्ति को और भी अद्भुत बनाती हैं। रंजनपति ने बताया कि मां बिरजा के स्वरूप को महिषासुरमर्दनी के रूप में पूजा जाता है और उनकी पूजा में विशेष महत्व है। स्थानीय मान्यता के अनुसार काशी और जगन्नाथ मंदिर में बिताए गए समय के बराबर पुण्य मां बिरजा के एक बार दर्शन करने से प्राप्त होता है।

नवरात्र में विशेष पूजा और भोग

मंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि नवरात्र के दौरान मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। नवरात्र के दौरान सुबह मंगला आरती के समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। एक दिन में 15 साड़ियां और लगभग 1.5 से 2 किलो सोने के आभूषणों से मां बिरजा का श्रृंगार किया जाता है। इस दौरान मां को साग की सब्जी और रबड़ी का भोग दिया जाता है जबकि रात में आलू भरता और दूध का भोग चढ़ाया जाता है।

यहां के दर्शन न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक आत्मिक शांति और पुण्य का भी स्रोत हैं। नवरात्रि के दिनों में इस तीर्थ स्थल की भव्यता और श्रद्धालुओं की आस्था देखी जा सकती है जो दूर-दूर से यहां आते हैं और मां बिरजा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पूरी दुनिया में भारत के इस पड़ोसी देश में चांदी से भी सस्ता बिकता है सोना!

इंटरनेशन डेस्क. सोना खरीदना हर किसी का सपना होता है, खासकर महिलाओं के लिए यह सिर्फ आभूषण नहीं बल्कि एक बेहतरीन निवेश भी माना जाता है। लेकिन सोने की बढ़ती कीमतों ने लोगों को सस्ते गोल्ड की तलाश में दूसरे देशों की ओर देखने पर मजबूर कर दिया है। जब भी सस्ते सोने की बात होती है तो आमतौर पर लोगों के मन में पहला नाम दुबई का आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे सस्ता सोना दुबई में नहीं बल्कि भूटान में मिलता है? यह सुनकर आपको आश्चर्य हो सकता है, लेकिन यह सच है। अगर आप विदेश से सोना लाने की सोच रहे हैं, तो यह जानना जरूरी है कि भूटान से भारत में अधिकतम कितना सोना ला सकते हैं और इसके नियम क्या हैं। इसके अलावा, अगर कोई व्यक्ति तय सीमा से ज्यादा सोना लाता है तो उसे किन मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

भूटान में सबसे सस्ता सोना क्यों मिलता है?

भूटान में सोना सस्ता मिलने का सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां सोने पर कोई आयात शुल्क या टैक्स नहीं लगता। इस वजह से वहां सोने की कीमत अन्य देशों की तुलना में काफी कम होती है। इसके अलावा, भूटान और भारत की मुद्रा की कीमत लगभग समान होती है, जिससे भारतीयों को वहां से सोना खरीदना और भी फायदेमंद लगता है।

अक्सर लोग मानते हैं कि दुबई में सोना सबसे सस्ता होता है, लेकिन वहां पर भी सोने पर कुछ शुल्क लगते हैं, जबकि भूटान में सोना लगभग टैक्स फ्री होता है। यही कारण है कि अब लोग दुबई के बजाय भूटान से सोना खरीदने की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

क्या भूटान से सोना खरीदना आसान है?

अगर आप सोच रहे हैं कि भूटान जाकर आसानी से सस्ता सोना खरीद सकते हैं, तो यह उतना आसान नहीं है जितना लगता है। भूटान में सोना खरीदने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं। सबसे पहले तो आपको वहां किसी मान्यता प्राप्त होटल में कम से कम एक रात रुकना होगा। इसके अलावा, सोना खरीदते समय यह भी ध्यान देना जरूरी है कि आप इसे केवल सरकारी मान्यता प्राप्त दुकानों से ही खरीदें, ताकि नकली या मिलावटी सोना लेने का खतरा न रहे।

एक व्यक्ति भारत में कितना सोना ला सकता है?

भारत सरकार ने विदेश से सोना लाने को लेकर कुछ कड़े नियम बना रखे हैं। भूटान से भारत लाए जाने वाले सोने की अधिकतम सीमा 26 ग्राम (22 कैरेट) तय की गई है। यह सीमा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग हो सकती है। पुरुष अधिकतम 50,000 रुपये मूल्य तक का सोना ला सकते हैं, जबकि महिलाओं के लिए यह सीमा 1 लाख रुपये तक हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति तय सीमा से ज्यादा सोना लाने की कोशिश करता है और कस्टम अधिकारियों द्वारा पकड़ा जाता है, तो उसे भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई व्यक्ति बिना घोषित किए ज्यादा सोना लाने की कोशिश करता है तो कस्टम ड्यूटी तो चुकानी ही पड़ेगी, साथ ही सोने को जब्त भी किया जा सकता है और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

क्या दूसरे देशों से भी सस्ता सोना लाया जा सकता है?

भूटान के अलावा, कुछ अन्य देश भी हैं जहां सोना अपेक्षाकृत सस्ता मिलता है। दुबई में भी सोने की कीमत भारत की तुलना में कम होती है, लेकिन वहां पर कुछ शुल्क लगते हैं।

सिंगापुर भी सस्ते सोने के लिए मशहूर है और यहां भी उच्च गुणवत्ता वाला सोना खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, स्विट्जरलैंड को सोने के व्यापार का प्रमुख केंद्र माना जाता है, लेकिन वहां से सोना लाने के लिए सख्त नियम लागू होते हैं।

क्या भूटान से सोना लाना सही रहेगा?

अगर आप कम मात्रा में सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो भूटान से सोना लाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन यदि आप ज्यादा मात्रा में सोना लाने की योजना बना रहे हैं, तो यह अवैध होगा और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भूटान से सोना लाने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप सभी सरकारी नियमों का पालन कर रहे हैं।

अमेरिका आज से लगाएगा जैसे को तैसा टैक्स व्हाइट हाउस बोला- टैरिफ तुरंत प्रभावी होंगे

इंटरनेशनल डेस्क: व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2 अप्रैल को घोषित किए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ तत्काल प्रभाव से लागू होंगे तथा ऑटो टैरिफ 3 अप्रैल को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लागू होंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लीविट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप मंगलवार को अपने व्यापार सलाहकारों के साथ मिलकर टैरिफ नीति को और बेहतर बना रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि टैरिफ की घोषणा कल (2 अप्रैल) को की जाएगी।

लीविट ने आगे कहा, राष्ट्रपति अभी अपनी व्यापार और टैरिफ टीम के साथ काम कर रहे हैं, ताकि यह एक बेहतर सौदा बन सके जो अमेरिकी नागरिकों और श्रमिकों के लिए फायदेमंद हो। आप सभी को अगले 24 घंटों में इस बारे में जानकारी मिल जाएगी। लीविट ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप विदेशी सरकारों और कंपनियों के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, जो टैरिफ दरों में रियायत चाहती हैं। उन्होंने कहा, कुछ देशों ने पहले ही प्रशासन से संपर्क किया है और राष्ट्रपति हमेशा एक अछी बातचीत के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिकी श्रमिकों को न्यायसंगत सौदा मिले और पुराने गलत फैसलों को सुधारा जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने वादा किया है कि वह 3 अप्रैल को लिबरेशन डे (मुक्ति दिवस) पर टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे। यह आधिकारिक घोषणा बुधवार शाम 4 बजे (स्थानीय समयानुसार) व्हाइट हाउस रोज गार्डन में की जाएगी।

बांग्लादेश-चीन की दोस्ती से भारत सतर्क

चीन में यूनुस की टिप्पणियों को बताया "भड़काऊ तथा "शर्मनाक

इंटरनेशन डेस्क. बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर की गई हालिया टिप्पणियों पर मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इन्हें "शर्मनाक तथा "भड़काऊ करार दिया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की। यूनुस इस क्लिप में यह कहते दिखाई देते हैं कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का एकमात्र संरक्षक है क्योंकि भारत के पूर्वोत्तर राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे हैं और उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि इससे "बड़ी संभावनाएं खुलेंगी और चीन को बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाना चाहिए। यूनुस ने ये टिप्पणियां कथित तौर पर चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान कीं।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को कहा कि यह एक "बहुत गंभीर मुद्दा है और यह राष्ट्र की "सुरक्षा से संबंधित है। उन्होंने संसद भवन परिसर में पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, "यह बहुत शर्मनाक टिप्पणी है...वह चीन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए हमारे देश के क्षेत्रों का उल्लेख कर रहे हैं। मुझे लगता है कि भारत को इस पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। यह देश की सुरक्षा को खतरे में डालता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यूनुस की टिप्पणी को "आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय बताया तथा 'चिकन्स नेक% को दरकिनार करते हुए पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्गों की खोज को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। शर्मा ने 'एक्स% पर लिखा, "बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस द्वारा दिया गया बयान, तथाकथित अंतरिम सरकार द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सात बहन राज्यों को जमीन से घिरा बताने और बांग्लादेश को उनकी समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया जाना आक्रामक और अत्यधिक निंदनीय है। उन्होंने कहा, "मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि वे गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को दर्शाते हैं।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने कहा, "भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश चीन को आमंत्रित कर रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह रवैया हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है। सरकार मणिपुर की सुध नहीं ले रही है और चीन पहले ही अरुणाचल में गांव बसा चुका है। पिछले सप्ताह बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और राजनीतिक एवं आर्थिक संकट से प्रभावित बांग्लादेश की कमजोर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए चीन से निवेश बढ़ाने की मांग की।

भारत के एक पूर्व राजदूत ने इन टिप्पणियों को "अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया, हालांकि उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली को यूनुस के बयानों से घबराना नहीं चाहिए। वर्ष 2017 से 2020 तक नीदरलैंड में भारत के राजदूत रहे वेणु राजमणि ने पीटीआई-भाषा से कहा, "इससे इस वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आता कि भारत आज क्या है और वह क्या करने में सक्षम है...(भारत) अपनी सुरक्षा चिंताओं की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत-बांग्लादेश संबंधों पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर राजमणि ने कहा, "द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में, भारत के प्रति बांग्लादेश की नीति में किसी बड़े बदलाव का कोई संकेत नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569